7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 बेटी की एक आंख भी निकाली..

5 यूपी में खेती खतरे में आई!

8 टाटा स्टील वर्ल्ड 25के

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 26 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 22 दिसम्बर,2025

गोरक्षनगरी में बनेंगे टीवी फ्रीज और मोबाइल फोन

6000 लोगों को मिलेगा रोजगार

1100 करोड़ रुपये की लागत से होगा निर्माण लगभग 6000 लोगों को मिलेगा रोजगार

संवाददाता, गोरखपुर। औद्योगिक विकास की दिशा में गोरक्षनगरी नव सोपान चढ़ने जा रही है। देश की प्रमुख इलेक्ट्रानिक उपकरण निर्माता कंपनी वीडियोकान गोरखपुर के धुरियापार क्षेत्र में करीब 1100 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक इलेक्ट्रानिक मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने जा रही है। इस प्लांट में टीवी, रेफ्रिजरेटर और मोबाइल फोन जैसे प्रमुख इलेक्ट्रानिक उत्पादों का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही कंपनी यहां एक इलेक्ट्रानिक क्लस्टर भी विकसित करेगी, जिससे गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियों को नया आयाम मिलेगा।गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) की ओर से इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए वीडियोकान को लगभग 50 एकड़ भूमि आवंटित की जा रही है। प्रस्तावित प्लांट पूरी तरह आधुनिक तकनीक से लैस होगा और बड़े पैमाने पर उत्पादन क्षमता रखेगा। कंपनी का लक्ष्य है कि यहां से प्रत्येक वर्ष करीब छह लाख रेफ्रिजरेटर का निर्माण किया जाए। इसके अलावा टीवी और मोबाइल फोन का भी बड़े स्तर पर उत्पादन होगा, जिससे स्थानीय बाजार के साथ–साथ अन्य राज्यों की मांग को भी पूरा किया जा सकेगा।

बहराइच में भेड़ियों का आतंक जारी
पिछले तीन महीनों में 11 लोगों की मौत
क्या बदला लेने के लिए आक्रामक हो रहे भेड़िये

बहराइच,संवाददाता। नेपाल सीमा सटे तराई के बहराइच में सितंबर से कैसरगंज इलाके में भेड़ियों के हमले जारी हैं, लगातार हो रही घटनाओं के कारण वन विभाग को भेड़ियों को मारना भी पड़ा, लेकिन इसके बाद हमले और बढ़ गए हैं। पहले तो रात में ही बच्चों पर हमला करते थे, लेकिन अब वह दिन में भी लोगों को अपना निशाना बनाने लगे हैं।

पूरा प्रदेश प्रचंड सर्दी की चपेट में

मौसम विभाग ने 50 जिलों में ठंड और कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश इस समय कड़ाके की सर्दी और भीषण कोहरे की प्रकोप जारी है। शुक्रवार को लगभग समूचा प्रदेश घने कोहरे में लिपटा रहा। शनिवार के लिए मौसम विभाग ने यूपी के 50 जिलों में अत्यधिक घने कोहरे का रेड अलर्ट जारी किया है। साथ ही तराई और पूर्वी यूपी समेत लगभग 40 जिलों के लिए अत्यधिक शीतदिवस की चेतावनी जारी किया है। यानी इन जिलों में दिन के तापमान में भारी गिरावट के आसार हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रविवार से यूपी में लगातार दो पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहे हैं। इसके असर से दिन के तापमान में 2 डिग्री तक की बढ़त आएगी। साथ ही कोहरे के घनत्व में थोड़ी कमी आएगी। वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, दिल्ली और उत्तराखंड से सटे जिलों में घने कोहरे की मौजूदगी के साथ सर्द पछुआ हवाएं चलीं। राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई।

घने कोहरे की वजह से आगरा, बरेली, कुशीनगर और गोरखपुर में सुबह के वक्त दृश्यता शून्य तक पहुंच गई। बहराईच में 20 मीटर, अलीगढ़ और फर्रुखाबाद में 30 मीटर तक दृश्यता दर्ज हुई।

इन जिलों में है अत्यधिक घने कोहरे का रेड अलर्ट

कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइन, लखीमपुर खीरी, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, मथुरा, हाथरस, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरेया, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत एवं आसपास के इलाकों में।

इन जिलों में दिन के पारे में बड़ी गिरावट के आसार

प्रतापगढ़, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं व आसपास के इलाकों में।

नकली कफ सिरप का जाल

नकली कफ सिरप के जाल में आ सकते हैं कई बड़े नाम खरीद के लिए किसने दी 100 करोड़ की बड़ी रकम

लखनऊ,संवाददाता। नशीले कफ सिरप मामले की जांच कर रहे प्रवर्तन निदेशालय ने मुख्य आरोपियों में शामिल शुभम जायसवाल द्वारा 100 करोड़ रुपये कीमत का कफ सिरप खरीदने की जांच शुरू कर दी है। शुभम ने सिरप की यह खेप दिल्ली स्थित एबॉट फार्मास्युटिकल्स कंपनी से खरीदी थी, जिसे सहारनपुर के विभोर राणा ने बिक्री नहीं होने की वजह से कंपनी को वापस किया था। ईडी के अधिकारी यह पता लगाने में जुटे हैं कि शुभम ने कंपनी को भुगतान करने के लिए इतनी बड़ी रकम का इंतजाम कहां से किया था। सूत्रों की मानें तो इसमें एक माफिया की भूमिका जांच के दायरे में है। सूत्रों की मानें तो नशीले कफ सिरप मामले में माफिया की संलिप्तता की ईडी गोपनीय तरीके से जांच कर रहा है। माफिया की संपत्तियों के साथ बैंक खातों पर भी जांच एजेंसी की नजर है। वहीं उसका आलीशान मकान भी ईडी के अधिकारियों के लिए कौतूहल का सबब बना हुआ है, जिसकी कीमत 50 करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। वहीं दूसरी ओर शुभम जायसवाल और उसके करीबी परिजनों के 70 से ज्यादा बैंक खातों की पड़ताल की जा रही है ताकि कफ सिरप की तस्करी से होने वाली कमाई की मनी ट्रेल का पता लगाया जा सके। वहीं कुछ खाते ऐसे भी हैं, जिनमें संदिग्ध लेन–देन होने की वजह से आरोपियों ने पहले ही फ्रीज करा दिया है। अब ईडी के अधिकारी संबंधित बैंकों से इन खातों में जमा की गई रकम का ब्योरा लेंगे।

रामपुर में अफसर–माफिया के गठजोड़ से अवैध खनन

रामपुर/बरेली,संवाददाता। रामपुर जनपद में नियम–कानून ताक पर रखकर 50 से अधिक स्थानों पर रात–दिन अवैध खनन हो रहा है। सड़कों पर ओवरलोड डंपर दौड़ रहे हैं, लेकिन इन वाहनों को कोई रोकने वाला नहीं। अवैध खनन से जुड़े लोगों का कहना है कि नेताओं और अफसरों की सहमति के बिना अवैध खनन संभव ही नहीं है। सबको चढ़ावा जाता है। हिमालय से निकलने वाली कोसी नदी की अविरलता पर उत्तराखंड से सटे रामपुर जिले में पोकलेन व जेसीबी से रोजाना घातक प्रहार किया जा रहा है। नदी की तलहटी को गहरे गड्ढों में तब्दील किया जा रहा है। खनन विभाग और पुलिस–प्रशासन की शह पर माफिया खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ओवरलोड डंपर व ट्रैक्टर–ट्रॉली सड़कों की दुर्दशा कर रहे हैं। इससे कोसी नदी का प्राकृतिक स्वरूप बिगड़ रहा है। पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंच रहा है। यह खेल बाढ़ और कटान का गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। इन सबके बीच वायु व ध्वनि प्रदूषण सामान्य समस्या बन चुका है। आश्चर्य यह कि जिम्मेदार मौन साधे हुए हैं। उनके अनुसार सब कुछ ठीक है। उत्तराखंड से सटा मुरादाबाद मंडल का रामपुर जिला बालू–मिट्टी के अवैध खनन के लिए कुख्यात है।

ईडी की छापेमारी, करोड़ों रुपये और 300 किलो चांदी जब्त

नई दिल्ली,एजेंसी। अवैध रूप से भारतीयों को विदेश भेजने और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में ईडी ने कार्रवाई करते हुए दिल्ली समेत कई जगहों पर छापेमारी की और करोड़ों रुपये जब्त किए हैं। डंकी रूट के जरिए भारत से युवाओं को अमेरिका भेजने के मामले में ईडी ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की।

ईडी ने दिल्ली–पंजाब समेत कई राज्यों में दर्जन भर से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की। इस छापेमारी में ईडी ने चार करोड़ रुपये से ज्यादा नकद और 300 किलो से ज्यादा चांदी और छह किलो सोने के बिस्किट जब्त किए। ये छापे गुरुवार को दिल्ली,
पंजाब (जालंधर) और हरियाणा (पानीपत) में एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर मारे गए।

दिल्ली के ट्रैवल एजेंट से करोड़ों रुपये जब्त

अधिकारियों ने दावा किया कि दिल्ली के एक ट्रैवल एजेंट के ठिकाने से 4.62 करोड़ रुपये कैश, 313 किलो चांदी और 6 किलो सोने के बिस्किट जब्त किए हैं। जांचकर्ताओं ने छापों के दौरान मिले फोन और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से कुछ आपत्तिजनक चैट भी बरामद की हैं। अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा में एक मुख्य आरोपी के ठिकाने से 'डंकी' बिजनेस से जुड़े रिकॉर्ड और दस्तावेज मिले हैं। आरोप है कि एजेंट अवैध रूप से अमेरिका जाने वाले लोगों के प्रॉपर्टी के दस्तावेज अपने कमीशन की रकम की गारंटी के तौर पर रखते थे। 'डंकी' शब्द का मतलब उस लंबी और मुश्किल यात्रा से है जो अप्रवासी अवैध रूप से देशों में घुसने के लिए करते हैं।

असम के होजाई जिले से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। शनिवार तड़के सैरांग–नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से हाथियों के एक झुंड के 8 हाथियों की मौत हो गई, जबकि एक हाथी गंभीर रूप से घायल हो गया है। यह हादसा इतना भीषण था कि ट्रेन का इंजन और पांच कोच पटरी से उतर गए।

सम्पादकीय

मनरेगा से जी राम जी

नाम बदलना भाजपा का पुराना शगल रहा है। सड़कों, स्टेशनों, चौराहों के साथ–साथ पुरानी सरकारों की शुरु की गई बहुत सी योजनाओं के नाम भाजपा सरकारें बदलती रही हैं, लेकिन इस बार मोदी सरकार ने एक ऐसी योजना पर राजनीति की है, जो ग्रामीण भारत की आजीविका के लिए बेहद जरूरी है। सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा का न केवल नाम बदला है, बल्कि इसमें काम के दिनों से लेकर केंद्र और राज्य के बीच वित्तीय व्यवस्था को भी बदल दिया है। जिसके बाद एक बार फिर से मोदी सरकार की नीयत पर विपक्ष सवाल खड़े कर रहा है कि आखिर मनरेगा को बदलने के पीछे क्या मंशा ग्राम पंचायतों से अधिकार छीनने और उन्हें कमजोर करने की है।ज्ञात हो कि मंगलवार को मोदी सरकार ने लोकसभा में 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन ग्रामीण 2025' पेश किया। इसका संक्षिप्तीकरण वी बी– जी राम जी के तौर पर प्रचारित किया जा रहा है। राम शब्द का सियासी इस्तेमाल कितने तरीकों से किया जा सकता है, इसकी नयी–नयी मिसालें मोदी सरकार पेश कर रही है। राम मंदिर बनाने के लिए रथ यात्रा निकालने से लेकर बाबरी मस्जिद गिराकर उस जगह पर राम मंदिर के लिए पहले शिलान्यास करना, फिर राम मंदिर बनने के बाद उद्घाटन करना और इसके बाद मंदिर में धर्म ध्वजा फहराने जैसे काम किए गए, इसके बाद भी भाजपा को लगता है कि राम नाम को भुनाने की संभावनाएं अभी मौजूद हैं, लिहाजा अब महात्मा गांधी के नाम पर पिछले 20 सालों से चल रही ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को ही बदल दिया गया है। पिछले सप्ताह तक चर्चा थी कि भाजपा मनरेगा में महात्मा गांधी की जगह पूज्य बापू करना चाहती है। इस पर भी विपक्ष ने सवाल किया था कि आखिर महात्मा गांधी नाम से भाजपा को क्या तकलीफ है। लेकिन अब तो न केवल महात्मा गांधी शब्द हटाया गया है, बल्कि योजना ही बदलने की तैयारी है। जिसके बाद संसद का शीतकालीन सत्र में बड़ा विवाद बन गया है। विपक्ष ने मंगलवार को संसद परिसर में इस पर प्रदर्शन भी किया। प्रणिति शिंदे और कुमारी शैलजा समेत कुछ सांसद तो पुराने संसद भवन की छत पर चढ़कर गांधीजी के पोस्टर के साथ नारेबाजी करते दिखे। दरअसल मनरेगा को बदलने का यह प्रस्ताव ग्रामीण भारत की आजीविका से जुड़ा होने के कारण राजनीतिक और आर्थिक दोनों तरीके से संवेदनशील है। पांच साल पहले जब कोरोना की महामारी ने देश को आर्थिक तौर पर भी झकझोर कर रख दिया था, तब इसी मनरेगा के कारण ग्रामीण भारत में दो वक्त की रोटी का सहारा बना रहा। केंद्र की मोदी सरकार ने भी इस तथ्य को स्वीकार किया है और माना है कि मनरेगा से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सहारा मिला है। जबकि अपने पहले कार्यकाल में इसी मनरेगा का मजाक उड़ाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे यूपीए सरकार का गड्ढा बताया था। जबकि मनरेगा इतना क्रांतिकारी कानून था कि 2005 में जब इसे लाया गया था, तब संसद में सभी राजनीतिक दलों ने इसका समर्थन किया था। मनरेगा ग्रामीण क्षेत्रों में हर परिवार को साल में 100 दिन के मजदूरी वाले काम की गारंटी देता है। जबकि नए विधेयक में मजदूरी के 125 दिन निर्धारित किए गए हैं, लेकिन इसमें न मानदेय बढ़ाया गया है, न ये तय है कि ग्रामीण किस तरह रोजगार की गारंटी पाएंगे, क्योंकि अब यह हक ग्राम पंचायतों का नहीं केंद्र का हो जाएगा। प्रियंका गांधी ने इस बारे में लोकसभा में कहा है कि मनरेगा मांग–आधारित है, जिसमें केंद्र सरकार की फंडिंग भी मांग के अनुसार होती है। लेकिन नए विधेयक में केंद्र नॉर्मेटिव फंडिंग के आधार पर वित्तपोषण करेगा। नॉर्मेटिव फंडिंग मतलब एक ऐसी प्रणाली जहां धन का आबंटन पूर्व–निर्धारित मानकों, मानदंडों या नियमों के आधार पर होगा, ग्राम सभा की जरूरत के मुताबिक नहीं। यानी किसी ग्राम सभा को अगर किसी कार्य के लिए ज्यादा धन की जरूरत होगी, तब भी केंद्र उसे वह मुहैया नहीं कराएगा, बल्कि जो पहले से तय है, उतना ही फंड जारी करेगा। इससे ग्राम सभाओं की भूमिका कमजोर होगी, जो स्थानीय स्तर पर काम की मांग तय करती हैं। प्रियंका गांधी ने चेतावनी दी है कि 'रोजगार का अधिकार कमजोर किया जा रहा है, जो हमारे संविधान के खिलाफ है।' जी राम जी में अधिकांश राज्यों के लिए केंद्र का फंड योगदान 60 प्रतिशत तक कम कर दिया गया है, जबकि राज्यों को पहले से जीएसटी की बकाया राशि भी नहीं मिल रही है, ऐसे में ग्रामीण रोजगार के लिए धन की कमी राज्यों में हो जाएगी और इसका नुकसान उन ग्रामीणों को भुगतना पड़ेगा, जिनके घर मनरेगा के कारण चल रहे हैं।

सस्ती कनेक्टिविटी का पैकेज

महंगी कनेक्टिविटी के कारण हिमाचल अपनी पर्यटन क्षमता का दोहन नहीं कर पा रहा है। प्रमुख पर्यटक स्थलों के फासले इतने बढ़ जाते हैं कि युवा पर्यटक अंतरराष्ट्रीय नक्शे पर सस्ती कनेक्टिविटी से जुड़े अंतरराष्ट्रीय डेस्टिनेशन खोज लेता है। अब पर्यटक स्थल का सबसे अहम पैकेज उसकी सस्ती कनेक्टिविटी, स्थानीय यात्रा सेवाएं, फूड, सुकून तथा स्टे के आधार पर निर्भर करती हैं। बेशक हिमाचल में निजी क्षेत्र की दौड़ ने पर्यटन सुविधाओं की मंडी सजा ली है, जहां महंगे–सस्ते या बजट ऑफर उपलब्ध हैं। सुकून की वादियां अब मुख्य धारा के पर्यटक को नित नई घाटियों, दुर्गम क्षेत्रों और सुकून से भरे ग्रामीण या कबाइली परिवेश में ले जा रही हैं। यानी कि पर्यटन के अंदरूनी छोर तो बढ़ गए, लेकिन आवाजाही के खर्च कम नहीं हुए। देश–विदेश से अगर सैलानी बुलाने हैं, तो हिमाचल के कनेक्टिंग डेस्टिनेशन चिन्हित होने चाहिएं। अभी ट्रेन की मंजिलें अंब–अंदौरा, कालका या पठानकोट में आकर अवरुद्ध हो जाती हैं। कुल्लू और शिमला एयरपोर्ट की फ्लाइट्स सीजन और लागत के हिसाब से फ्रीज हो जाती हैं। कांगड़ा एयरपोर्ट संभावनाओं के बड़े अक्स में अभी तक खर्चीला विकल्प है। ऐसे में टूरिज्म विभाग के प्रधान सचिव देवेश कुमार की कोशिश से अगर शिमला–कुल्लू हवाई अड्डों पर एलायंस एयर लाइन के पंख खुलते हैं, तो ये कनेक्टिविटी के सफल आयाम हो सकते हैं। शिमला के प्रवेश द्वार से धर्मशाला और कुल्लू की नियमित उड़ानों का संघर्ष वायविलिटी गैप फंडिंग में फंसा है। सरकार अपनी ओर से ग्यारह करोड़ के नुकसान की भरपाई कर रही है, लेकिन एलायंस एयरलाइंस की मांग भी उड़ान पर है यानी ग्यारह से बढ़ाकर 20 करोड़ की फंडिंग से ही जहाज नियमित रूप से उड़ेंगे।

हमें याद है कि चपलवालों को हवाई सेवाओं से गंतव्य तक पहुंचाने का राष्ट्रीय वादा मोदी जी ने शिमला की उड़ान शुरू करके किया था, लेकिन यही सफर हिमाचल के पांव में कांटा बन कर चुभने लगा है। हम पूर्वोत्तर राज्यों की तर्ज पर ऐसी कनेक्टिविटी से महरूम हो रहे हैं। हिमाचल में कनेक्टिविटी के लिहाज से कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार पर केंद्र सहयोग करे, तो यह क्षेत्रीय हवाई सेवाओं के विस्तार में भी अहम भूमिका प्रदान करेगा। दूसरी ओर अंब–अंदौरा तक पहुंची ट्रेन को ज्वालाजी, कांगड़ा और मंडी तक पहुंचाने का खाका बने, तो पर्यटन की मंजिलें चारों तरफ दिखाई देंगी। हिमाचल में सडक़ परिवहन की अपनी दिक्कतें हैं, फिर भी फोरलेन मार्ग अगर रूपांतरित होते हैं, तो प्रदेश में आर्थिकी के चक्के भी घूमेंगे। भविष्य की संभावित कनेक्टिविटी को देखते हुए हिमाचल की पर्यटन परियोजनाओं को सैलानियों के लिए सस्ती परिवहन सेवाओं से जोडऩा होगा। प्रमुख पर्यटक स्थलों पर साइट सीइंग के संघर्ष में टैक्सी सेवाएं महंगी व असहज करती हैं। स्थानीय और प्रादेशिक स्तर पर ऑनलाइन बुकिंग का ऐसा खाका बनाना होगा ताकि पर्यटक व आम नागरिक की आवाजाही सस्ती दरों पर हो। ओला–ऊबर जैसी सेवाओं की प्रतीक्षा का उत्तर सरकार को खोजना होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों विशेष कर टैक्सी परमिट में सरकार ने युवाओं को विशेष सबसिडी प्रदान की है। इस प्रयोग को सफल बनाने का मॉडल सस्ती इलेक्ट्रिक टैक्सी सेवा से जोडऩा होगा। किसी एक पर्यटक स्थल की तमाम टैक्सियों को इलेक्ट्रिक में बदल कर परिवहन और साइट सीइंग की दरें इस स्थिति में ला दें कि लोग निजी वाहनों का इस्तेमाल ही छोड़ दें। इलेक्ट्रिक परिवहन के सारे विकल्पों का इस्तेमाल करके हिमाचल पर्यटकों को यह आश्वासन दे सकता है कि विदेश के मुकाबले कितना सहज, सरल व सस्ता है हिमाचल का पैकेज।

पर्यटन के पांव चले महासू महाराज

देव मिलन के रिश्ते, आस्था की सदी लांघ कर उत्तराखंड से हिमाचल पहुंच गए। छत्रधारी चालदा महासू अपने बड़े भैया से मिलने हिमाचल आए हैं। स्वागत में आस्था और विराजमान होने के लिए एक मंदिर प्रतीक्षारत। पश्मी एक छोटा सा गांव, सिरमौर की परंपराओं को टौंस नदी के उस पार उत्तराखंड से जोडक़र धन्य हो गया। इस आयोजन ने कई सदियां और श्रद्धालुओं के सैलाब देखे हैं, जहां श्रद्धा खुद ब खुद देवभूमि के पांव चलने लगती है। इस अद्भुत मिलन के अवसर पर राज्य के कला–संस्कृति, पर्यटन व ग्रामीण विकास विभागों को विशेष प्रदर्शन करना चाहिए था। हम अगर कुंभ और महाकुंभों के आयोजनों में क्षेत्रीय आर्थिकी को नए मुकाम तक पहुंचा सकते हैं, तो चालदा महासू जैसी यात्रा को एक बड़े इवेंट की दृष्टि से सशक्त कर सकते थे। विडंबना यह कि सालाना आयोजनों में देव संस्कृति को बढ़ावा देने वाला प्रदेश इस परंपरा के आकर्षण को नया स्वरूप नहीं दे पाया। गया में कालचक्र, हिमाचल में शिवरात्रि या कुल्लू महोत्सव में देव संगम के जिस तरह का ठौर मिलता है, उसी अंदाज में सिरमौर की इस देव परंपरा का नए परिप्रेक्ष्य में आगाज किया जा सकता है। हजारों की तादाद में पहुच रहे श्रद्धालु पश्मी गांव को मक्का बना रहे हैं, तो वहां हमारी प्रशासनिक तैयारियां भी मुकम्मल होनी चाहिए थीं। छत्रधारी अभी एक साल वहीं अपना आसन जमाएंगे, तो इस वर्ष को हिमाचल की दृष्टि से पश्मी में पूरे सामर्थ्य से मनाना चाहिए। देव स्थल के रूप में पश्मी को राज्य के नक्शे में विशेष स्थान देते हुए एक वार्षिक उत्सव कैलेंडर के रूप में देखना होगा, ताकि आस्था के साथ व्यवस्था और व्यवस्था के साथ आर्थिकी में भी प्रसार हो सके। सिरमौर में पधारे चालदा महासू का महत्त्व समझें तो हिमाचल की देव संस्कृति के साथ आर्थिकी के खाके बदल सकते हैं। जब सिरमौर में आस्था की यात्रा में पश्मी गांव करवटें बदल रहा था, तो उसके बरअक्स धर्मशाला में क्रिकेट की आस्था में डूबे हजारों लोग इसी तरह पहुंच रहे थे।

प्राइमरी स्कूलों के खेल फिर से शुरू करो

देश 2030 में राष्ट्रमंडल खेल व 2036 में ओलंपिक आयोजित करने के लिए तैयार है और उसके लिए खिलाडिय़ों की खोज भी अभी से शुरू हो जानी चाहिए। आज जब हर बच्चा स्कूल जा रहा है तो फिर स्कूल से ही प्रतिभाओं को खोज कर प्रशिक्षित करना जरूरी हो जाता है। उसके लिए हर विद्यार्थी को फिटनेस कार्यक्रम से गुजरना जरूरी है। मगर हिमाचल में प्राथमिक स्कूली स्तर पर फिटनेस कार्यक्रम शुरू करने की चर्चा तो दूर की बात लग रही है। दशकों से चल रहे प्राथमिक स्कूलों के खेलों को ही बंद कर दिया है। क्लासरूम पढ़ाई को संपूर्ण शिक्षा समझने वाले शिक्षा के कर्णधारों को कब विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के बारे में ज्ञान होगा? खेल बच्चों को फिटनेस की तरफ मोडऩे का बहुत ही सरल तरीका है और फिटनेस के बगैर जीवन अधूरा है।

शिक्षण विषयों के रिपोर्ट कार्ड की तरह स्वास्थ्य के मानकों का रिपोर्ट कार्ड भी प्रत्येक विद्यार्थी का हर स्कूल में अनिवार्य रूप से हो, क्योंकि भाषा व अन्य शिक्षण विषयों की तरह ही स्वास्थ्य के मूल स्तंभ स्पीड, स्ट्रेंथ, इडोरैंस व लचक आदि का प्रायोगिक प्रशिक्षण भी उसी उम्र में शुरू करना होता है।

शिक्षण विषयों के लिए तो स्कूलों के पास शिक्षक सहित पूरा प्रबंध है मगर स्वास्थ्य के घटकों को विकसित करके उनका मूल्यांकन करने की कोई भी सुविधा आज तक उपलब्ध नहीं हो पाई है। इस कॉलम के माध्यम से कई बार इस विषय पर स्कूलों व अभिभावकों को चेताया जा चुका है, मगर कोई भी समझने के लिए तैयार नहीं है।

किसी भी देश को इतनी क्षति युद्ध या महामारी से नहीं होती है, जितनी तबाही नशे के कारण हो सकती है। आज जब देश के अन्य राज्यों सहित हिमाचल प्रदेश में भी नशा युवा वर्ग पर ही नहीं किशोरों तक चरस, अफीम, स्मैक, नशीली दवाओं तथा दूरसंचार के माध्यमों के दुरुपयोग से शिकंजा कस रहा है। इसलिए सरकार, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को इस विषय पर जरूरी कदम जल्दी ही उठा लेने चाहिएं। यदि विद्यार्थी किशोरावस्था में नशे से बच जाता है तो वह फिर युवावस्था आते–आते समझदार हो गया होता है। माध्यमिक से वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को विभिन्न विद्याओं में व्यस्त रखने के साथ–साथ शारीरिक फिटनेस की तरफ मोडऩा बेहद जरूरी हो जाता है। मानव का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना अधूरा है।

शिक्षा की परिभाषा में लिखा है कि यहां शारीरिक व मानसिक दोनों तरह से बराबर विद्यार्थियों का विकास करना है जिससे वे आगे चलकर जीवन को सफलतापूर्वक खुशहाल जी सकें। शारीरिक विकास के लिए खेलों के माध्यम से फिटनेस कार्यक्रम बहुत जरूरी हो जाता है। खेल ही वह माध्यम है जिसके द्वारा विद्यार्थी को नशे से दूर रखा जा सकता है। पड़ोसी राज्य पंजाब एक समय तरक्की में देश का अग्रणी राज्य रहा है। खेलों में उत्कृष्टता उस प्रदेश की तरक्की व खुशहाली का भी पैमाना होती है।

पंजाब में हजारों प्रशिक्षक विभिन्न खेलों में खेल प्रशिक्षण के लिए नियुक्त होने के साथ साथ खेल प्रशिक्षण के लिए आधारभूत ढांचा होना वहां के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का प्रमुख कारण रहा था। बाद में जब पंजाब धीरे–धीरे खेलों से दूर हुआ तो पहले वहां आतंकवाद और फिर आजकल पंजाब नशे का अड्डा बना हुआ है। यही कारण है कि हर क्षेत्र में आज हरियाणा पंजाब से काफी आगे निकल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने एशियाई, राष्ट्रमंडल व ओलंपिक खेलों में पदक विजेता होने पर खिलाडिय़ों को करोड़ों रुपए के नगद ईनाम व सम्मानजनक नौकरी देकर हरियाणा में खेलों के लिए बहुत ही उपयुक्त वातावरण तैयार किया है।

उसी का नतीजा है कि आज हरियाणा का हर किशोर व युवा किसी न किसी खेल के मैदान में नजर आता है। हिमाचल प्रदेश में भी पूर्व मुख्यमंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश की खेलों के लिए अपने पहले कार्यकाल से ही कई महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड, सरकारी नौकरियों में तीन प्रतिशत आरक्षण तथा देश में प्रशिक्षक कैडर डाईंग हो जाने के बाद पहली बार प्रशिक्षकों की भर्ती बहुत बड़े खेल सुधार किए। हिमाचल प्रदेश की खेल सुविधाओं का प्रयोग राज्य में स्वास्थ्य व खेलों के लिए बड़े स्तर पर करना चाहिए। हिमाचल प्रदेश इस समय शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। पिछले कुछ दशकों से हिमाचल प्रदेश के नागरिकों की फिटनेस में बहुत कमी आई है। इसका प्रमुख कारण है विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम का न होना।

रट्टे वाली पढ़ाई की होड़ में हम विद्यार्थियों की फिटनेस को ही भूल गए हैं। हिमाचल प्रदेश की अधिकांश आबादी गांव में रहती थी। वहां पर सवेरे शाम वर्षों पहले विद्यार्थी अपने अभिभावकों के साथ कृषि व अन्य घरेलू कार्यों में सहायता करता था। विद्यालय आने–जाने के लिए कई किलोमीटर दिन में पैदल चलता था। इसलिए उस समय के विद्यार्थी को किसी भी प्रकार के फिटनेस कार्यक्रम की कोई जरूरत नहीं थी।

आज का विद्यार्थी घर के आंगन में बस पर सवार होकर विद्यालय के प्रांगण में उतरता है। पढ़ाई के नाम पर ज्यादा समय खर्च करने के कारण फिटनेस के लिए कोई समय नहीं बचता है। अधिकांश स्कूलों के पास फिटनेस के लिए न तो आधारभूत ढांचा है और न ही कोई कार्यक्रम है।

आज का विद्यार्थी फिटनेस व मनोरंजन के नाम पर दूरसंचार माध्यमों का कमरे में बैठ कर खूब दुरुपयोग कर रहा है। ऐसे में विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास की बात मजाक लगती है। आज के विद्यार्थी के लिए विद्यालय या घर पर आधे घंटे के फिटनेस कार्यक्रम की सख्त जरूरत है। इसमें 15 से 20 मिनट धीरे–धीरे दौडऩा तथा विभिन्न कोणों पर शरीर के जोड़ों की विभिन्न क्रियाओं को पूरा करने के बाद शरीर को कूलडाऊन करना होगा।

गोरखपुर नौका विहार

रुको आ रहा हूं...

रेस्टोरेंट में कुर्सी को लेकर हुआ विवाद, मनबढ़ों ने राड से किया हमला

गोरखपुर,संवाददाता। शिवम चौरसिया ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 15 दिसंबर की रात करीब एक बजे वह अपने भाई हेमंत के साथ नौका विहार स्थित एक रेस्टोरेंट में गए थे। दोनों क्लब के अंदर कुर्सी पर बैठे थे, तभी वैभव नाम का एक युवक वहां आया और कुर्सी खाली करने को कहा। इसी के बाद विवाद बढ़ गया। रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के नौका विहार स्थित एक रेस्टोरेंट में सोमवार की रात कुर्सी को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। मामला इतना बढ़ गया कि एक पक्ष ने एक युवक पर रॉड और डंडे से जानलेवा हमला कर दिया। मामले में पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महराजगंज के पनियरा थाना क्षेत्र अंतर्गत महदेवा निवासी शिवम चौरसिया ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 15 दिसंबर की रात करीब एक बजे वह अपने भाई हेमंत के साथ नौका विहार स्थित एक रेस्टोरेंट में गए थे। दोनों क्लब के अंदर कुर्सी पर बैठे थे, तभी वैभव नाम का एक युवक वहां आया और कुर्सी खाली करने को कहा।

मना करने पर आरोपी ने धमकी देते हुए कहा कि रुको, अभी आता हूं, आज तुम बचोगे नहीं। आरोप है कि इसके बाद वैभव अपने साथी आनंद राजपूत के साथ रॉड और डंडा लेकर वापस आया और जान से मारने की नीयत से शिवम पर हमला कर दिया।

शिवम ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने उसके सिर पर रॉड और डंडे से वार किया, जिससे उनका सिर फट गया और वह जमीन पर गिर पड़े। रेस्टोरेंट में मौजूद लोगों को आता देख वह जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। इसके बाद उसका भाई उसे तत्काल अस्पताल लेकर गया, जहां इलाज कराया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर वैभव और आनंद राजपूत के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। थाना प्रभारी नितिन रघुनाथ ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश के लिए दबिश दी जा रही है।

बेटी की एक आंख भी निकाली..

बाप ने की पार की दरिंदगी की हदें, मां और दो बेटियों के कत्ल और गाड़ने की कहानी

संवाददाता, शामली। यूपी के शामली जिले से दिल दहलाने वाली खबर सामने आई है। शामली के गांव गढ़ी दौलत में दस दिसंबर की रात एक शख्स ने पत्नी और दो बेटियों की हत्या कर दी। इसके बाद शवों को घर के आंगन में दबा दिए। पत्नी बिना बुर्के में मायके गई थी। आरोपी ने इससे खफा होकर मार डाला।शामली के कांधला में पत्नी ताहिरा बिना बुर्के के मायके चली गई तो पति फारूख ने रात में उसकी गोली मार कर हत्या कर दी।

मां की हत्या करते दो बेटियों ने देख लिया तो उन्हें भी मार डाला। इसके बाद तीनों के शव को घर में ही दबा दिया। 10 दिसंबर की रात गांव गढ़ी दौलत में हुई इस खौफनाक वारदात का खुलासा मंगलवार को हुआ। आरोपी के पिता की शिकायत पर पुलिस ने खोदाई कराई तो तीनों के शव बरामद हुए।

पुलिस ने बताया कि गांव गढ़ी दौलत निवासी फारुख शादी–विवाह में खाना बनाने का काम करता है। वह अपने पिता दाउद व मां असगरी से अलग दूसरे घर में रहता है। उसके साथ पत्नी ताहिरा (32) व पांच बच्चे रहते थे। उसकी सबसे बड़ी बेटी आफरीन (14), आसमीन (10), सहरीन (7), पुत्र बिलाल (9) व अरशद (5) हैं। उसकी अपने माता पिता से बोलचाल नहीं थी। करीब छह दिन से फारूख की पत्नी व दो बेटियां आफरीन व सहरीन घर से लापता चल रहे थे। इस पर फारूख के पिता दाउद को शक हुआ। दाउद ने फारूख से उसकी पत्नी व बच्चों के बारे में पूछा तो उसने बताया कि उन्हें शामली में किराये के मकान में रखा है।

संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर दाउद ने मंगलवार की शाम पुलिस को इसकी जानकारी दी। दाउद ने पुलिस से अपने बेटे पर तीनों की हत्या करने का शक जताया।

इसके बाद पुलिस ने फारूख को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो मामले का खुलासा हुआ।

एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि पूछताछ में फारूख ने बताया कि एक माह पूर्व फारुख और उसकी पत्नी ताहिरा की रुपयों को लेकर कहासुनी हो गई थी। पत्नी ने आरोप लगाया था कि पति बच्चों और उसे खर्च के लिए रुपये नहीं देता है।

जिस पर वह झगड़ा कर अपने मायके मुजफ्फरनगर के नारा गांव में बिना बुर्का लगाए ही चली गई थी।

आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि उसने शादी के बाद से ही पत्नी को पर्दे में रखा था। कभी भी वह बिना बुर्का लगाए घर से बाहर नहीं निकली थी।

थाने के सामने बनाई रील– 'हमरा से औकात में रह

15 दिन पहले भी हुआ था वायरल, थाना था दूसरा

गोरखपुर,संवाददाता । उरुवा थाने के गेट पर बनाई गई इस रील ने सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा पैदा कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि रील किस उद्देश्य से बनाई गई थी और इसमें शामिल लोग कौन हैं। वीडियो कब का है इसके बारे में किसी को जानकारी नहीं है। वीडियो के बैकग्राउंड में उरुवा थाने का गेट नजर आ रहा है। उरुवा थाने के सामने कुछ युवाओं की ओर से बनाई गई रील सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। वीडियो में लगभग 10 युवक थाने के गेट के सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं और बैकग्राउंड में गाना 'हमरा से औकात में रहऽ' बज रहा है। वीडियो वायरल होते ही पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए युवकों की तलाश शुरू कर दी है।

उरुवा थाने के गेट पर बनाई गई इस रील ने सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा पैदा कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि रील किस उद्देश्य से बनाई गई थी और इसमें शामिल लोग कौन हैं। वीडियो कब का है इसके बारे में किसी को जानकारी नहीं है। वीडियो के बैकग्राउंड में उरुवा थाने का गेट नजर आ रहा है।

इसके सामने करीब 10 से अधिक युवक खड़े हैं और भौकाल में मूंछों पर ताव देते दिख रहे हैं। हालांकि, संवाद न्यूज एजेंसी इस वीडियो की पुष्टि नहीं करती है। थानाध्यक्ष श्याम देव चौधरी ने बताया कि मामले की जांच जारी है और रील की वास्तविकता सामने आने के बाद ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सिकरीगंज थाना गेट पर भी बनाई जा चुकी है रील

यह पहला मामला नहीं है। करीब 15 दिन पहले सिकरीगंज थाने के गेट के सामने भी कुछ युवाओं ने इसी तरह की रील बनाई थी, जो तब भी चर्चा का विषय बनी थी। बाद में पुलिस ने युवक को गिरफ्तार किया था। पुलिस इस बार इस मामले को गंभीरता से देख रही है और युवकों की तलाश में जुटी है।

इन्वेस्टमेंट ठगी: आनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 16.28 लाख की ठगी

गोरखपुर,संवाददाता। तहरीर में बताया कि 17 अक्तूबर को उन्हें व्हाट्सएप पर "93 डीबीएस एनेलिस्ट फोरम" नामक एक ग्रुप में अचानक जोड़ दिया गया। इस ग्रुप में रोजाना ट्रेडिंग और इन्वेस्टमेंट से जुड़े टिप्स दिए जाते थे। ऑनलाइन ट्रेडिंग और निवेश में भारी मुनाफे का लालच देकर साइबर ठगों ने युवक अमन से करीब 16.28 लाख रुपये से अधिक की ठगी कर ली। पीड़ित की शिकायत पर कोतवाली थाने में नौ आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। इसमें रजत वर्मा, मीना भट्ट, नीना थक्कर को नामजद किया गया है। पुलिस, साइबर सेल की मदद से ठगों के नेटवर्क व बैंक खातों की पड़ताल कर रही है। कोतवाली थाना क्षेत्र के आर्यनगर उत्तरी, अमर सिंह पब्लिक स्कूल के पास रहने वाले अमन पांडेय ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 17 अक्तूबर को उन्हें व्हाट्सएप पर "93 डीबीएस एनेलिस्ट फोरम" नामक एक ग्रुप में अचानक जोड़ दिया गया। इस ग्रुप में रोजाना ट्रेडिंग और इन्वेस्टमेंट से जुड़े टिप्स दिए जाते थे। ग्रुप में रजत वर्मा और मीना भट्ट नामक लोग निवेश की सलाह देते थे। कुछ समय बाद नीना थक्कर नाम की महिला ने निजी संदेश भेजकर निवेश से होने वाले मुनाफे के स्क्रीनशॉट दिखाए और उन्हें निवेश के लिए प्रेरित किया। पीड़ित के अनुसार, तीन नवंबर को उन्होंने निवेश के लिए आवेदन किया, जिसे पांच नवंबर को स्वीकृत कर लिया गया। इसके बाद अलग–अलग बैंक खातों में रकम जमा कराई गई। शुरुआत में निवेश पर मुनाफा दिखाया गया और कुछ राशि उनके खाते में वापस भी भेजी गई, जिससे उनका भरोसा बढ़ गया। ठगों ने पहले स्टॉक फिर आईपीओ और ओटीसी स्टॉक में निवेश कराया और खाते में लाखों रुपये का मुनाफा दिखाया गया। अमन पांडेय का आरोप है कि बाद में उन्हें अधिक राशि के आईपीओ अलॉटमेंट में फंसा दिया गया। कहा गया कि यदि पूरी रकम जमा नहीं की गई तो अब तक का सारा पैसा होल्ड हो जाएगा। डर के कारण उन्होंने लोन और उधार लेकर अलग–अलग खातों में लाखों रुपये ट्रांसफर किए। उनके खाते में बैलेंस 40 लाख रुपये से अधिक दिखाया गया लेकिन जब उन्होंने रकम निकालने की कोशिश की तो बार–बार निकासी असफल होती रही। आखिरकार एक दिसंबर को उनसे 14 लाख रुपये की 'सर्विस फीस' मांगी गई, जिस पर उन्हें ठगी का एहसास हुआ।

यूपी में कोहरे की मारः बरेली में तीन दिन तक आरेंज अलर्ट

गोरखपुर,संवाददाता। दृश्यता बेहद कम होने के कारण सड़क मार्ग से यात्रा करना असुरक्षित हो गया है। इससे लोगों को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। कोहरे की वजह से ट्रेनें भी देरी का शिकार हो रही हैं। उत्तर प्रदेश के कई जिले घने कोहरे और सर्दी की चपेट में हैं।

दृश्यता बेहद कम होने के कारण सड़क मार्ग से यात्रा करना असुरक्षित हो गया है। इससे लोगों को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। कोहरे की वजह से ट्रेनें भी देरी का शिकार हो रही हैं। कई जगह लोगों को कोहरे के चलते परेशानियों का सामना करना पड़ा।

कोहरे की गिरफ्त में जिला... तीन दिन तक ऑरेंज अलर्ट

बरेली समेत पूरा रुहेलखंड क्षेत्र सर्दी और कोहरे की चपेट में है। मंगलवार को दिनभर धूप नहीं निकली तो बुधवार की सुबह भी घने कोहरे के साथ हुई। दृश्यता कम होने से सड़कों पर वाहन रेंगते दिखे। मौसम विभाग ने तीन दिन तक कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। ठंड और घने कोहरे से स्कूली बच्चों और शिक्षकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के मंडल अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार शर्मा ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर परिषदीय विद्यालयों का समय बदलने की मांग की है।

सर्दी से कांपा तराई का इलाका, खीरी में भी घना कोहरा

लखीमपुर खीरी। मंगलवार की ही भांति बुधवार को भी सुबह से शहर समेत ग्रामीण इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। कोहरे के साथ ही गलन भी बढ़ गई है, जिससे लोगों को ठंड अब ज्यादा सताने लगी है। बुधवार को सुबह तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

ठिठुरन बढ़ी, जिंदगी थमी, ट्रेनें घंटों लेट

मुरादाबाद में घने कोहरे ने बुधवार को ठिठुरन बढ़ा दी। कंपकंपा देने वाली सर्दी से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। कोहरे के बीच दृश्यता शून्य रही। इसका असर ट्रेनों की रफ्तार पर पड़ा। ट्रेनें पांच घंटे से लेकर 13 घंटे तक की देरी से मुरादाबाद पहुंचीं।

इससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। उधर, रामपुर, अमरोहा और संभल में भी ठंड तेज हो गई है। कोहरे के कारण हाईवे पर वाहनों की रफ्तार बेहद धीमी रही।

लगातार बढ़ रही है सर्दी

पूरा प्रदेश में ठंड और कोहरे की चपेट में 20 जिलों के लिए जारी हुआ रेड अलर्ट

यूपी में भीषण शीतलहर का दौर चल रहा है। मौसम विभाग ने गुरुवार को 20 जिलों के लिए अलर्ट जारी किया है। कई जिलों में स्कूल के समय में बदलाव किया गया है ।

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में घने कोहरे के साथ कड़ाके की सर्दी की दोहरी मार शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने प्रदेश के 20 जिलों में अत्यधिक घने कोहरे का रेड अलर्ट जारी किया है। साथ ही इन इलाकों में संभावित शीत दिवस की भी चेतावनी जारी की गई है। संभावना जताई गई है कि 20 दिसंबर तक प्रदेश में कमोबेश ऐसा ही मौसम रहने वाला है। लखनऊ समेत, बरेली, गोरखपुर, कुशीनगर, कानपुर में घने कोहरे की वजह से दृश्यता शून्य रही। वहीं बहराइच, हरदोई, शाहजहांपुर आदि में दृश्यता 30 मीटर तक सिमट गई। प्रदेश के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान में 5 से 6 डिग्री, जबकि कुछ स्थानों पर 8 से 10 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई।

प्रदेश के ज्यादातर हिस्से में घने कोहरे के साथ चुभती हुई ठंडी पछुआ हवाएं चलीं और दिन के पारे में भारी गिरावट दर्ज की गई। कई जिलों में दिन का पारा सामान्य से काफी नीचे लुढ़क गया। इससे ठिठुरन और गलन बढ़ गई। लोगों को दिन में ही अलाव का सहारा लेना पड़ा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पश्चिम भारत और मध्य भारत के ऊपर बने प्रति–चक्रवात तथा ऊपरी हवा के प्रभाव से उत्तर प्रदेश के कई जिलों में कोहरा छाया हुआ है। निचले वायुमंडल

में व्युत्क्रम परत बनने से दिन के अधिकांश समय दृश्यता कम रही। 20 दिसंबर तक कमोबेश ऐसा ही मौसम रहने वाला है।

रेड अलर्ट

गोरखपुर, देवरिया, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर।

शीत दिवस की चेतावनी

गोरखपुर नीट छात्रा की हत्या

फरार आरोपी पशु तस्कर अब हेरोइन के साथ गिरफ्तार

पुलिस संग गिरफ्तार पशु तस्कर –

गोरखपुर,संवाददाता। चिलुआताल थाना अंतर्गत मजनू चौकी क्षेत्र के मोहरीपुर–सिंहोरवा रोड स्थित अंडरपास के पास मंगलवार देर रात मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई की गई। सूचना मिली थी कि एक युवक ट्रांसपोर्टनगर से बंधे के रास्ते भारी मात्रा में मादक पदार्थ लेकर आने वाला है। सूचना पर पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर उसे दबोच लिया।

चिलुआताल पुलिस ने मंगलवार देर रात मोहरीपुर–सिंहोरवा रोड स्थित अंडरपास के पास हेरोइन के साथ 25 हजार रुपये के इनामी झीनक निषाद को गिरफ्तार कर लिया। वह पिपराइच इलाके के जंगल धूषण चौकी क्षेत्र के हसनपुर गांव का रहने वाला है। आरोपी झीनक पिपराइच थाना क्षेत्र में पशु तस्करी का विरोध करने पर छात्र दीपक की हत्या के मामले में भी वांछित था।

दो दशक पुराना रिश्ता फिर लौटा

पहली बीवी 15 साल बाद लौटी... अब दो पत्नियों के बीच फंसा पति

गोरखपुर,संवाददाता। युवक की शादी करीब 20 वर्ष पहले थाना क्षेत्र की एक युवती से हुई थी। शुरुआती वर्षों में सब कुछ सामान्य रहा लेकिन कुछ समय बाद पति की शराब पीने की आदत को लेकर विवाद बढ़ने लगा। घरेलू कलह इतनी बढ़ी कि पत्नी अपने दो बच्चों को लेकर मायके चली गई। गुलरिहा थाना क्षेत्र की भटहट चौकी अंतर्गत एक गांव में मंगलवार को सनसनी और कौतूहल का माहौल बन गया, जब 15 साल पहले मायके गई एक विवाहिता अचानक अपने ससुराल लौट आई। उसे यह जानकर गहरा झटका लगा कि पति ने इस दौरान दूसरी शादी कर ली है और परिवार में बच्चे भी हो चुके हैं।

मामला इतना उलझा कि बात सीधे भटहट चौकी तक पहुंच गई, जहां पंचायत बैठी लेकिन घंटों की बातचीत के बाद भी कोई समाधान नहीं निकल सका। जानकारी के अनुसार, युवक की शादी करीब 20 वर्ष पहले थाना क्षेत्र की एक युवती से हुई थी। शुरुआती वर्षों में सब कुछ सामान्य रहा लेकिन कुछ समय बाद पति की शराब पीने की आदत को लेकर विवाद बढ़ने लगा। घरेलू कलह इतनी बढ़ी कि पत्नी अपने दो बच्चों को लेकर मायके चली गई। पति का दावा है कि उसने कई बार पत्नी को वापस लाने का प्रयास किया लेकिन हर बार निराशा ही हाथ लगी। वर्षों तक संपर्क न होने के बाद युवक ने समाज और परिवार की सहमति से दूसरी शादी कर ली। पहली पत्नी को जब दूसरी शादी और बच्चों की जानकारी मिली, तो वह 15 साल बाद भटहट चौकी पहुंची और पति के खिलाफ लिखित शिकायत दी। बुधवार को चौकी पर दोनों पत्नियों और पति को बुलाया गया। पंचायत के दौरान माहौल बेहद तनावपूर्ण रहा। दोनों पत्नियां पति के साथ रहने की जिद पर अड़ी रहीं, जिससे कई बार तीखी नोकझोंक भी हुई।

खुदकुशी कर दे दी जान

अफसर बनना चाहती थी शिक्षिका... पढ़ाई के साथ करती थी नौकरी– बिखर गए सपने

गोरखपुर,संवाददाता। बांसगांव थाना क्षेत्र के एक गांव में 19 वर्षीय शिक्षिका की खुदकुशी के बाद गांव में सन्नाटा पसरा रहा। परिजनों का कहना है कि वह अफसर बनना चाहती थी। पढ़ाई के साथ ही वह नौकरी कर परिवार को सहयोग करती थी। पिता का कहना है कि बेटी के हाथ पीले करने की हसरत अधूरी रह गई।

जानकारी के अनुसार, शिक्षिका ने 13 दिसंबर को छेड़खानी से तंग आकर सल्फास खा लिया था। 14 दिसंबर को शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने पतरौठा निवासी विजय यादव को गिरफ्तार कर लिया है। शिक्षिका के पिता ने बताया कि वह उनके तीन बच्चों में वह सबसे छोटी थी और पूरे परिवार की दुलारी थी। वह शुरू से पढ़ाई में तेज थी। क्लास में उसके बहुत अच्छे अंक आते थे। हाईस्कूल पास करने के बाद से ही वह छोटे बच्चों को पढ़ाने लगी थी।

गोरखपुर एम्स में सबकुछ ठीक नही

'बर्न मरीज उपचार के लिए आया...नहीं मिलेगा उपचार', अज्ञात ईमेल ने उड़ाया होश

गोरखपुर,संवाददाता। ई–मेल में बताया गया है कि एक बार 13 साल के बच्चे के उपचार को देखकर उसे बेहद निराशा हुई। बच्चे के निचले अंग की आधी त्वचा गल गई थी।

लेकिन मौजूद नॉन–एकेडमिक रेजिडेंट ने उपचार के नाम पर गंभीर लापरवाही की। ट्रामा के अटेंडिंग कंसल्टेंट्स पर भी आरोप लगाया कि उसने सर्जिकल घाव, जिस पर तीन दिन पहले टांके लगाए थे, उसे देखने से ही मना कर दिया था। एम्स की कार्यकारी निदेशक (ईडी) को पूर्व में कार्यरत जूनियर डॉक्टर डॉ जान डोए ने ईमेल करके ट्रॉमा और इमरजेंसी में अनियमितता और यहां मरीजों के इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। ईमेल पर हुई शिकायत को एम्स प्रशासन ने गंभीरता से लेते हुए जांच कराने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही कार्यकारी निदेशक ने निरीक्षण करके कुछ कमियों को दुरुस्त कराया।

ई–मेल में बताया गया है कि एक बार 13 साल के बच्चे के उपचार को देखकर

उसे बेहद निराशा हुई। बच्चे के निचले अंग की आधी त्वचा गल गई थी। लेकिन मौजूद नॉन–एकेडमिक रेजिडेंट ने उपचार के नाम पर गंभीर लापरवाही की। ट्रामा के अटेंडिंग कंसल्टेंट्स पर भी आरोप लगाया कि उसने सर्जिकल घाव, जिस पर तीन दिन पहले टांके लगाए थे, उसे देखने से ही मना कर दिया था। जबकि एम्स में प्लास्टिक सर्जन कंसल्टेंट भी हैं। आईपीडी ट्रामा में इंटर्न एक रात पहले दवाओं को रजिस्टर पर चढ़ाते, कॉपी पेस्ट कर लिख देते हैं। ई–मेल में कहा गया है कि एम्स में ये हाल है कि अगर कोई जला या गंभीर अवस्था में मरीज आए तो उसे सामान्य उपचार भी नहीं मिल पाता है। इसके अलावा कई बार की लापरवाही का जिक्र किया है।

ई–मेल से शिकायत मिली। जिसकी जांच भी करवाई गई। कुछ कमियां मिली है उसे तत्काल सुधार करवाया गया। आगे किसी तरह की लापरवाही न हो सके, इसके लिए निर्देशित किया गया है। मरीजों की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर एम्स प्रबंधन बेहद गंभीर रहता है।

डॉ. विभा दत्ता, कार्यकारी निदेशक, एम्स

विकास की सौगातः गोरखनाथ ओवरब्रिज का सीएम योगी करेंगे लोकार्पण, 137.83 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है तैयार

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखनाथ मंदिर मार्ग पर दो ओवरब्रिज हो जाने से शहर के उत्तर पश्चिम क्षेत्र में आने–जाने वालों, सोनौली रोड आने–जाने वाले लोगों की यात्रा काफी सुविधाजनक हो जाएगी। इसके अलावा मकर संक्रांति से शुरू होकर एक माह तक लगने वाले गोरखनाथ मंदिर के खिचड़ी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को भी आवागमन की बड़ी सहूलियत मिल जाएगी।शहर को एक नए ओवरब्रिज की सौगात मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को धर्मशाला–गोरखनाथ मंदिर मार्ग पर नए गोरखनाथ ओवरब्रिज का लोकार्पण करेंगे। इस ओवरब्रिज से धर्मशाला–गोरखनाथ मंदिर से होते हुए सोनौली मार्ग तक के राहगीरों की यात्रा सुगम होगी।

सीएम योगी शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर आएंगे। दोपहर बाद वह गोरखनाथ रोड पर नए ओवरब्रिज का लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। धर्मशाला–गोरखनाथ मंदिर मार्ग पर पड़ने वाले लखनऊ–गोरखपुर रेलमार्ग के डोमिनगढ़ व गोरखपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन के मध्य क्रॉसिंग संख्या 162ए पर एक ओवरब्रिज पहले से है। इस पर ट्रैफिक लोड बढ़ने के कारण सीएम योगी के निर्देश पर मौजूदा ओवरब्रिज के समानांतर एक और ओवरब्रिज बनवाया गया है। इसके निर्माण पर 137.83 करोड़ रुपये की लागत आई है।

कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश सेतु निगम के महाप्रबंधक मिथिलेश कुमार के अनुसार दो लेन के नए ओवरब्रिज की कुल लंबाई 600.653 मीटर और चौड़ाई 7.50 मीटर है। इसमें रेलवे भाग की लंबाई 76 मीटर है। गोरखनाथ मंदिर मार्ग शहर के व्यस्ततम मार्गों में से एक है। नए ओवरब्रिज पर आवागमन शुरू होते ही गोरखनाथ की तरफ आने वाले वाहनों को पुराने ओवरब्रिज पर नहीं जाना होगा। आने–जाने के लिए अलग–अलग ओवरब्रिज होने से जाम भी नहीं लगेगा।

खिचड़ी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को होगी सहूलियत

गोरखनाथ मंदिर मार्ग पर दो ओवरब्रिज हो जाने से शहर के उत्तर पश्चिम क्षेत्र में आने–जाने वालों, सोनौली रोड आने–जाने वाले लोगों की यात्रा काफी सुविधाजनक हो जाएगी। इसके अलावा मकर संक्रांति से शुरू होकर एक माह तक लगने वाले गोरखनाथ मंदिर के खिचड़ी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को भी आवागमन की बड़ी सहूलियत मिल जाएगी।

व्यू कटर से खास बना नया ओवरब्रिज

नया गोरखनाथ ओवरब्रिज शहर में पहले से मौजूद ओवरब्रिज से विशेष है। इसके दोनों किनारों पर व्यू कटर भी लगाया गया है। इससे ओवरब्रिज के समीप के घरों की निजता बनी रहेगी और उन्हें वाहनों की आवाज भी कमतर सुनाई देगी।

यूपी पंचायत चुनाव 1.81 करोड़ नए नाम जुड़े...

1.41 करोड़ काटे गए, मतदाता पुनरीक्षण के बाद जारी किए गए आंकड़े

लखनऊ,संवाददाता। मतदाता पुनरीक्षण के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने आंकड़े जारी किए। जिससे पता चला है कि 40.19 लाख मतदाता बढ़े हैं। पंचायत चुनाव के मद्देनजर मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत प्रदेश में 1,81,96,367 नए मतदाता जोड़े गए। 1,41,76,809 अयोग्य मतदाताओं के नाम काटे गए। पुनरीक्षण के बाद पिछली मतदाता सूची की अपेक्षा नई सूची में 40 लाख 19 हजार 558 (3.269 फीसदी) मतदाता बढ़े हैं। काटे गए नामों में मृत, विस्थापित व डुप्लीकेट मतदाता शामिल हैं। इनमें सबसे अधिक 53,67,410 डुप्लीकेट मतदाता शामिल थे।

राज्य निर्वाचन आयुक्त आरपी सिंह ने बृहस्पतिवार को प्रेसवार्ता में यह जानकारी देते हुए बताया कि पुनरीक्षण के पहले प्रदेश में पंचायत चुनाव के कुल मतदाता 12,29,50,052 थे। ये संख्या अब 12,69,69,610 हो गई है। मतदाता का नाम जोड़ने हटाने या अपडेट करने का काम ई–बीएलओ एप के माध्यम से किया गया है। इससे चुनाव में पारदर्शिता रहेगी। सबसे कम वोट कटने वाले जिलों में वाराणसी में 682, मैनपुरी में 72 हजार, महोबा में 20 हजार, कुशीनगर में 14 हजार और गाजीपुर में 72 हजार काटे गए।

जिला	आंकड़ा (लाख में)
लखीमपुर खीरी	1.80
गोंडा	1.62
सिद्धार्थनगर	1.61
बहराइच	1.29
बलिया	1.09
शाहजहांपुर	1.07
जौनपुर	1.04
अलीगढ़	1.00

1.05 करोड़ युवा वोटर बने

18 से 23 वर्ष के ऐसे लोग जो पहली बार वोटर बने उनकी संख्या एक करोड़ पांच लाख रही। इसमें 18 वर्ष वाले 15.71 लाख वोटर हैं। निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि पुनरीक्षण के दौरान नए वोटरों को जोड़ने को प्राथमिकता दी गई। तराई के जिलों में सबसे अधिक मतदाता बढ़े हैं।

आपत्ति का मिलेगा मौका

निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि मतदाता सूची का प्रकाशन 23 दिसंबर को होगा। जिन मतदाताओं को कोई आपत्ति है या जिनको लगता है कि वह योग्य हैं फिर नाम कट गया है उनको आपत्ति दर्ज करने का मौका दिया जाएगा। आपत्ति दर्ज कराने वाले की बात तथ्यात्मक रूप से सही मिलने पर उनका नाम जोड़ा जाएगा। आपत्तियों के बाद 6 फरवरी को अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी।

अब 9 अंकों का नंबर... बनेगा मतदाता की पहचान

राज्य निर्वाचन आयुक्त आरपी सिंह ने बताया कि 2021 तक की सूची में जितने मतदाता थे उन सभी को एक स्टेट वोटर नंबर दिया गया है। इनमें वह मतदाता शामिल नहीं है जिनके नाम काटे गए हैं। 9 अंकों का ये नंबर बहुत कारगर साबित होगा। यही मतदाता की पहचान होगी। इसी नंबर के जरिये पता चलेगा कि मतदाता कौन है? कहां का रहने वाला है? उसने कब–कब और कहां–कहां मतदान किया है।

एक बार जो नंबर जारी हो जाएगा उसको एक ही मतदाता को दिया जाएगा। उसका नाम हटने के बाद ये नंबर फ्रीज रहेगा। किसी अन्य को जारी नहीं किया जाएगा। मतलब हर मतदाता का ये यूनिक नंबर होगा। पुनरीक्षण–2025 की अंतिम सूची प्रकाशित होने के बाद बढ़े हुए मतदाताओं को भी ये नंबर जारी किया जाएगा।

घर में छत पर खेल रही तीन साल की बच्ची के सिर में लगी गोली

जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ,संवाददाता। लखनऊ के इंदिरा नगर इलाके में एक बच्ची अपने घर की तीसरी मंजिल पर खेल रही थी कि तभी एक गोली उसके सिर में आकर लगी। बच्ची लहूलुहान होकर गिर पड़ी।

राजधानी लखनऊ के इंदिरा नगर इलाके में एक तीन साल की बच्ची अपने घर की तीसरी मंजिल पर खेल ही थी कि तभी उसके सिर में गोली लग गई।

गोली लगने से बच्ची लहूलुहान होकर गिर पड़ी। परिजन उसे ट्रॉमा सेंटर ले गए जहां उसका इलाज चल रहा है। इंदिरा नगर बसतौली बी ब्लॉक के मकान नम्बर 637/120 में तीन साल की मासूम घर की तीसरी मंजिल पर बने स्टोर में खेल रही तभी कहीं से फायर हुई गोली उसके सिर में लग गई।

गोली लगते ही मासूम गिर पड़ी और परिजन आननफानन उसे लेकर केजीएमयू पहुंचे। जहां ट्रॉमा सेंटर में उसे भर्ती करवाया गया है।

यूपी में खेती खतरे में आई!

मिट्टी में दिखी खास पोषक तत्व की कमी किसानों के लिए गंभीर संकट का संकेत

यूपी की मिट्टी में नाइट्रोजन की भारी कमी

95 नमूनों में नाइट्रोजन की मात्रा कम पाई गई

लखनऊ,संवाददाता। वर्तमान वित्तीय वर्ष में किए जा रहे मृदा परीक्षण की रिपोर्ट खेती–किसानी के लिए गंभीर संकट का संकेत दे रही है। यूपी की मिट्टी में नाइट्रोजन की भारी कमी हो चुकी है। पूरे प्रदेश से लिए गए मिट्टी के साढ़े 11.60 लाख से ज्यादा नमूनों की जांच में 95 प्रतिशत में नाइट्रोजन की मात्रा कम (लो श्रेणी) में मिली है। इससे भी ज्यादा चिंता की बात ये है कि शेष लगभग पांच प्रतिशत नमूनों में नाइट्रोजन की मात्रा मध्यम (मीडियम श्रेणी) में है यानी इनसे संबंधित खेत भी लो श्रेणी की ओर बढ़ रहे हैं। संकट का अंदाजा इससे ही लगाया जा सकता है कि पूरी रिपोर्ट में उच्च (हाई श्रेणी) नाइट्रोजन वाले नमूनों की संख्या एक प्रतिशत तक भी नहीं है।

बदायूं और खीरी में सभी के सभी सैंपल में नाइट्रोजन कम मिला। वहीं सात अन्य जिलों में भी हाई श्रेणी के नमूने शून्य निकले। फसलों की बढ़त और उत्पादन में नाइट्रोजन की अहम भूमिका होती है, ऐसे में उत्पादन के प्रभावित होने की भी आशंका है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में कृषि विभाग की ओर से खरीफ सीजन में मृदा परीक्षण के लिए 1.56 लाख से अधिक नमूने लिए गए थे।

इसके बाद भी नमूने लेकर जांचने का क्रम चल रहा है। 17 दिसंबर तक लिए गए 11,65,623 नमूनों में से 9,83,015 नमूने लो श्रेणी (280 किलो प्रति हेक्टेयर से कम) में मिले जो कि कुल नमूनों का 95 प्रतिशत है। वहीं 1,69,408 नमूनों में नाइट्रोजन की मात्रा मीडियम श्रेणी (280 से 560 किलो प्रति हेक्टेयर के बीच) और केवल 13,200 नमूनों में हाई (560 किलो प्रति हेक्टेयर से अधिक) मिली है। कृषि विभाग के अनुसार लगातार एक ही फसल उगाना, रासायनिक उर्वरकों का असंतुलित उपयोग, खेतों में गोबर खाद या फसल अवशेष न डालना आदि कारणों से यह स्थिति बन रही है। नाइट्रोजन की कमी होने से पौधों की बढ़त प्रभावित होती है और दानों या फलों का विकास सही नहीं हो पाता। गेहूं, धान, मक्का और दलहन जैसी प्रमुख फसलों में उत्पादन पर इसका असर पड़ता है।

कृषि निदेशक डा. पंकज त्रिपाठी ने बताया कि किसानों को मृदा परीक्षण कराने और उसकी रिपोर्ट के अनुसार ही उर्वरक उपयोग के लिए जागरूक किया जा रहा है। उनको पोषक तत्वों की कमी दूर करने के उपाय और सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है। विभाग की ओर से वर्तमान में आयोजित की जा रही किसान पाठशालाओं में इसके बारे बताया जा रहा है। वहीं, खरीफ सीजन में चले विकसित कृषि संकल्प अभियान में भी इसकी जानकारी दी गई थी। किसानों को यूरिया पर निर्भरता कम कर संतुलित एनपीके उर्वरक, जैव–उर्वरक, हरी खाद, गोबर खाद और वर्मी कम्पोस्ट का प्रयोग बढ़ाना चाहिए।

इन जिलों में नाइट्रोजन की सबसे ज्यादा कमी

नाइट्रोजन की कमी तो पूरे प्रदेश में मिली है। परंतु बदायूं और खीरी में सभी नमूने लो श्रेणी के है। इनके बाद भदोही व गोरखपुर में 99.99, देवरिया व मुरादाबाद में 99.97, बिजनौर व फर्रुखाबाद में 99.96, आगरा में 99.95, अमरोहा में 99.92, ललितपुर में 99.87 और बहराइच व कुशीनगर में 99.86 प्रतिशत नमूनों में लो नाइट्रोजन मिला है।

भाकियू का धरना पांचवें दिन भी जारी, हाड़ कंपाती ठंड में भी अडिग, रातभर परिसर में डटे रहे किसान

मेरठ,संवाददाता। मेरठ में 14 साल की सबसे भीषण ठंड के बीच भी भाकियू के किसान गन्ना भवन पर डटे हुए हैं। प्रशासन से वार्ता विफल होने के बाद 21 दिसंबर को बड़ी महापंचायत का एलान किया गया है। पश्चिम उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज इस वक्त अपने सबसे सख्त तेवर दिखा रहा है। मेरठ में गुरुवार पिछले 14 वर्षों में सबसे ठंडा दिन दर्ज किया गया। घने कोहरे और शीतलहर ने जनजीवन की रफ्तार थाम दी है लोग ठंड से डरे हुए हैं लेकिन इस हाड़ कंपाती ठंड के बीच भी किसानों के तेवर नरम नहीं पड़ रहे हैं। वहीं शुक्रवार को पांचवे दिन भी भाकियू का धरना जारी रहा।

अपनी मांगों को लेकर भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के कार्यकर्ता और किसान पिछले चार दिनों से गन्ना भवन पर दिन–रात डटे हुए हैं। गुरुवार को प्रशासन के साथ हुई लंबी वार्ता विफल होने के बाद अब किसानों ने 21 तारीख को बड़ी महापंचायत का एलान कर दिया है। गतिरोध सुलझाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर काफी गहमागहमी रही। दोपहर करीब 3 बजे कमिश्नर भानु चंद्र गोस्वामी ने किसानों के प्रतिनिधिमंडल को वार्ता के लिए बुलाया। जिलाध्यक्ष अनुराग चौधरी समेत पांच किसान नेता वार्ता में शामिल हुए। करीब एक घंटे तक चली इस बैठक में कमिश्नर ने किसानों को आश्वासन दिया कि वे लखनऊ में उच्च अधिकारियों से बात कर जल्द समाधान निकालेंगे। हालांकि किसान ठोस निर्णय चाहते थे जिसके चलते यह वार्ता विफल रही। इससे पहले सुबह उपगन्ना आयुक्त राजीव राय और एडीएम सिटी बृजेश सिंह ने भी मनाने की कोशिश की थी लेकिन किसानों ने गन्ना अधिकारी कार्यालय पर ताला जड़ दिया और उसी के बाहर लेटे रहे।

भाकियू जिलाध्यक्ष अनुराग चौधरी के अनुसार इस साल गन्ना मिलों द्वारा नियमों में किए गए बदलावों ने किसानों की कमर तोड़ दी है। किसान चाहते हैं कि गन्ना खरीद के नियम पिछले साल की तरह ही रहें। इस बार इंडेंट से अधिक गन्ना पहुंचने पर मिलें स्वीकार नहीं कर रही हैं और यदि स्वीकार करती हैं तो अगले इंडेंट में उतनी ही कटौती कर दी जा रही है।

वहीं ट्रांसपोर्टरों का भाड़ा 3 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा दिया गया है। इस प्रदर्शन में मुख्य रूप से मेजर चिंदौड़ी, सुनील, विनोद, अनूप यादव, मुनीश त्यागी, जिलाध्यक्ष हापुड़ दिनेश खेड़ा, हर्ष चाहल, ऋषिपाल, शरद, सतबीर जंगेठी, वीरेंद्र, सत्ते, हरपाल और जसबीर सहित भारी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

महापंचायत में राकेश टिकैत आ सकते हैं

वार्ता विफल होने के बाद भाकियू ने आंदोलन को और तेज करने का निर्णय लिया है। आगामी 21 तारीख को गन्ना भवन पर एक विशाल महापंचायत आयोजित की जाएगी। जिलाध्यक्ष ने संकेत दिए हैं कि इस महापंचायत में संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत और अन्य शीर्ष नेता शामिल हो सकते हैं। देर रात तक एडीएम सिटी समेत भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी किसानों को समझाने के लिए मौके पर मौजूद रहे।

रागिनी की तान और हौसले की गर्मी

जहां एक ओर प्रशासन ठंड से बचाव के लिए स्कूलों के समय बदल रहा है और रैन बसेरों की व्यवस्था कर रहा है वहीं गन्ना भवन का नजारा कुछ अलग ही है। यहां 60 से 80 साल तक के बुजुर्ग किसान खुले आसमान के नीचे डटे हुए हैं। रात के समय ठंड को मात देने के लिए रागिनी और संगीत का सहारा लिया जा रहा है। जंगेठी निवासी किसान राजबीर ने बताया कि धरनास्थल पर ही खाने–पीने और दूध की सामुदायिक व्यवस्था की गई है।

लखनऊ में मायावती ने की बैठक, कई राज्यों से आए पदाधिकारी, बोली– हमारे लोग वोटर लिस्ट से वंचित न रहें

लखनऊ,संवाददाता। बीएसपी प्रमुख मायावती ने आल इंडिया बैठक में चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को गंभीरता से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने चुनावी व्यवस्था में धनबल व सरकारी दुरुपयोग पर सवाल उठाए। लखनऊ में शुक्रवार को बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आल इंडिया बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में यूपी व उत्तराखंड को छोड़कर अन्य राज्यों के पदाधिकारियों शामिल हुए। मायावती ने चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (ैप्) अभियान को तत्परता से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पार्टी के अन्य संगठनात्मक कार्यों को कुछ समय के लिए स्थगित कर इस अभियान पर फोकस करें, ताकि गरीब, मजदूर व बहुजन समाज के लोग वोटर लिस्ट से वंचित न रहें।

राज्यवार रिपोर्ट की समीक्षा की

मायावती ने राज्यवार रिपोर्ट की समीक्षा की। इस दौरान संगठन की मजबूती, जनाधार बढ़ाने व आर्थिक सहयोग पर पिछली बैठकों के निर्देशों का पालन न होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कमियों को जल्द दूर करने को कहा। ैप् के दौरान हो रही परेशानियों का जिक्र कर अन्य राज्यों को पहले से तैयारी करने की सलाह दी। उन्होंने वोट की ताकत को बाबा साहेब अंबेडकर के संघर्ष से जोड़ते हुए इसे बहुजन समाज के शासक बनने का माध्यम बताया।

चाय पर चर्चा: सत्र के समापन पर स्पीकर बिरला ने बुलाई बैठक

पीएम मोदी–प्रियंका समेत तमाम सांसद हुए शामिल

बैठक में शामिल पीएम मोदी और अन्य नेता

नई दिल्ली,एजेंसी

संसद का शीतकालीन सत्र सत्र स्थगित होने के बाद आज स्पीकर ओम बिरला ने सत्तापक्ष और विपक्षी सांसदों की बैठक बुलाई। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी भी शामिल हुए। साथ ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी समेत अन्य दलों के नेता भी शामिल रहे। संसद का शीतकालीन सत्र का आज समापन हो गया। अंतिम कार्यदिवस पर लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के कारण कोई विधायी काम नहीं हुआ और स्पीकर ओम बिरला ने कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने का एलान कर दिया। थोड़ी देर बाद सभापति सीपी राधाकृष्णन ने राज्यसभा की कार्यवाही भी स्थगित कर दी। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपने कक्ष में सांसदों को चाय पर आमंत्रित किया। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी, सपा सांसद धर्मेंद्र यादव समेत विभिन्न दलों के नेता मौजूद रहे।

प्रियंका गांधी को रक्षा मंत्री के बगल वाली सीट दी गई

गौरतलब है कि संसद सत्र के समापन पर लोकसभा अध्यक्ष सत्ता पक्ष और विपक्ष के सांसदों के साथ बैठक करते हैं। मानसून सत्र के समापन पर भी ऐसी बैठक हुई थी, लेकिन विपक्ष ने उस बैठक का बहिष्कार किया था। इस बार की बैठक में प्रियंका गांधी शामिल हुईं। खास बात ये रही कि वायनाड से पहली बार की सांसद प्रियंका गांधी को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बगल वाली सीट दी गई। वहीं रक्षा मंत्री के पास वाली सीट पर प्रधानमंत्री मोदी बैठे दिखाई दिए।

गडकरी ने प्रियंका को कराया था भोजन

गुरुवार को लोकसभा में जब प्रियंका गांधी ने सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से समय नहीं मिलने की शिकायत की थी तो उन्होंने कहा था कि उनका दरवाजा तो हमेशा खुला रहता है। गडकरी ने कहा कि आप प्रश्नकाल के बाद उनके ऑफिस में आकर मिल सकती हैं। इसके बाद प्रियंका गांधी ने सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के कार्यालय में जाकर मुलाकात की थी, जहां गडकरी ने उन्हें स्वादिष्ट डिश भी खिलाई। सत्र समापन के बाद भी जो तस्वीरें सामने आईं, उनमें भी सत्ता और विपक्षी सांसद मुस्कुराते हुए नजर आए, जो कहीं न कहीं देश के लोकतंत्र की खूबसूरती को दिखाती हैं।

संसद की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

लोकसभा में 111 फीसदी हुआ काम, राज्यसभा में कितना

संसद का शीतकालीन सत्र समाप्त हो गया है। लोकसभा में 11 फीसदी प्रोडक्टिविटी हासिल हुई। जी राम जी विधेयक दोनों सदनों से पास।

नई दिल्ली,एजेंसी। संसद का शीतकालीन सत्र आज शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025 को समाप्त हो गया है। राज्यसभा और लोकसभा दोनों सदनों में इस सत्र में हंगामे के बीच भी बेहतर चर्चा रही. इस सत्र का सबसे गंभीर मुद्दा जी राम जी विधेयक बना, जो कि राज्यसभा और लोकसभा दोनों सदनों से पास हो गया।

राज्यसभा और लोकसभा दोनों सदनों को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। अब अगला सत्र 2026 में बजट सेशन के साथ शुरू होगा।

लोकसभा में शीतकालीन सत्र समाप्त

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने 18वीं लोकसभा के शीतकालीन सत्र के खत्म होने की घोषणा की और इस सेशन को सफल बताया। ओम बिरला ने कहा कि इस सत्र में 15 सीटिंग सफल रहीं।

संसद का शीतकालीन सत्र समाप्त हो गया। राज्यसभा और लोकसभा दोनों सदनों में बेहतर चर्चा हुई। सत्र का मुख्य मुद्दा जी राम जी विधेयक रहा, जो दोनों सदनों से ..

लोकसभा स्पीकर ने आगे कहा कि सदन के सभी लोगों ने इस सत्र में सक्रिय भागीदारी निभाई एवं सहयोग दिया। कुछ लोगों ने तो महत्वपूर्ण अवसरों पर देर रात तक भी काम किया। ओम बिरला ने कहा कि इस सत्र में लोकसभा ने 111 फीसदी की प्रोडक्टिविटी हासिल की।

'गिरफ्तार अभियुक्तों के संबंध सपा माफियाओं से...

जहरीले कफ सिरप कांड पर सीएम योगी का बड़ा बयान

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी ने जहरीले कफ सिरप कांड पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि एसटीएफ और यूपी पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों के संबंध सपा के माफियाओं से मिले हैं। यूपी विधानमंडल सत्र के पहले दिन सदन की कार्यवाही से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जहरीले कफ सिरप कांड को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। यूपी एसटीएफ और यूपी पुलिस ने मामले में व्यापक गिरफ्तारियां की हैं। उन्होंने कहा कि जो भी अभियुक्त गिरफ्तार किए गए हैं। उनके संबंध सपा नेताओं से सामने आए हैं। अभी जांच जारी है। जांच रिपोर्ट आने पर दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सपा के लोग ये मुद्दा सदन की कार्यवाही के दौरान उठाएंगे तो उन्हें वहां पर जवाब दिया जाएगा और अगर बाहर इस पर सवाल करेंगे तो उसका भी जवाब दिया जाएगा। सपा का माफियाओं से संबंध तो जगजाहिर हैं। इस पूरे मामले की जांच राज्यस्तरीय एसआईटी कार्य कर रही है। इसमें यूपी पुलिस, एफएसडीए से जुड़े अधिकारी मौजूद हैं। किन–किन लोगों को इसमें धन गया है ये सारी बातें जांच में सामने आ जाएंगी। उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि उनके बारे में यही कहूंगा कि– "यही कसूर मैं बार बार करता रहा, धूल चेहरे पर थी और आईना साफ करता रहा।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर बड़ा हमला

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मनरेगा कानून की जगह लाए गए नए विधेयक विकसित भारत जी राम जी को गांव विरोधी करार देते हुए केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोला है। राहुल गांधी का आरोप है कि अधिकार और मांग आधारित गारंटी को खत्म कर दिया गया है और नए विधेयक को दिल्ली से नियंत्रित किया जा सकता है।

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने विकसित भारत जी राम जी विधेयक को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार ने 20 साल के मनरेगा को एक दिन में खत्म कर दिया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार ने विकसित भारत जी राम जी विधेयक को बिना ठीक से जांच पड़ताल किए संसद से पारित करवा दिया।

जमीन बेचने पर चाचा को मृत बता भिजवाया जेल...

डीएनए जांच में खुला खेल, तीन महीने बाद हुआ रिहा

गोरखपुर,संवाददाता। खोराबार का मामला है। हाईकोर्ट के निर्देश पर डीएनए जांच में शिकायतकर्ता भतीजे से रक्त संबंध मिला है। तीन माह बाद रिहा रामकेवल हुए हैं। खोराबार थाना क्षेत्र के छितौना गांव में जमीन के एक सौदे के बाद भतीजे ने अपने चाचा को मृत बताकर फंसा दिया। उन्हें जालसाजी के आरोप में जेल जाना पड़ा मगर हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के आदेश पर हुई डीएनए जांच में खेल खुल गया। जांच में पुष्टि के बाद साबित हो गया कि रामकेवल से शिकायतकर्ता रामसरन के रक्त संबंध हैं, इसलिए वही असली चाचा हैं। डीएनए रिपोर्ट के आधार पर कोर्ट ने रामकेवल की गिरफ्तारी और जेल में निरुद्ध किए जाने को गैरकानूनी मानते हुए उसकी तत्काल रिहाई का आदेश दिया। सभी औपचारिकताएं पूरी कर बुधवार को तीन महीने बाद रामकेवल को रिहा कर दिया गया। पुलिस अब केस डायरी को अपडेट कराएगी और विवेचना में चूक की जांच कराकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

रिश्तों में हुई साजिश की इस घटना ने खोराबार इलाके के लोगों को हिला डाला है। पूरे क्षेत्र में यह प्रकरण बेहद चर्चा में है। दरअसल, मामला छितौना गांव की एक जमीन की बिक्री से जुड़ा है। जमीन मालिक रामकेवल पुत्र विपत की जमीन का सौदा होने के बाद उनके भतीजे रामसरन ने विवाद खड़ा कर दिया था। रामसरन ने आरोप लगाया था कि उसके चाचा रामकेवल की पहले ही मौत हो चुकी है। किसी फर्जी व्यक्ति ने खुद को रामकेवल बताकर जमीन बेच दी है। इसी आधार पर उसने जमीन के खरीदार, उसकी पत्नी और जमीन बेचने वाले व्यक्ति के खिलाफ फर्जीवाड़े सहित अन्य गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

जांच के दौरान पुलिस ने आधार कार्ड समेत कुछ दस्तावेजों में पिता के नाम में अंतर को अहम आधार बनाया और यह मान लिया कि जमीन बेचने वाला व्यक्ति असली रामकेवल नहीं है। इसी निष्कर्ष पर पहुंचते हुए पुलिस ने चार्जशीट दाखिल कर दी। मामला अदालत में ट्रायल तक पहुंचा लेकिन रामकेवल कोर्ट में पेश नहीं हुए। इसके बाद न्यायालय ने उनके खिलाफ गैर–जमानती वारंट जारी कर दिया। 20 सितंबर को गगहा पुलिस ने रामकेवल को वारंटी के रूप में गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया था। रामकेवल की बहन ने इलाहाबाद हाईकोर्ट (लखनऊ बेंच) में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल की। याचिका में स्पष्ट रूप से कहा गया कि प्राथमिकी रामकिशुन के पुत्र रामकेवल के खिलाफ दर्ज की गई थी, जबकि पुलिस ने गलत पहचान के चलते विपत के पुत्र रामकेवल को गिरफ्तार कर लिया।

खुशखबरी! शादी के बाद अब बेटी को ससुराल में भी मिलेगा राशन..

नहीं कटवाना पड़ेगा राशन कार्ड से नाम

यूपी में अब बेटी की शादी होने पर राशन कार्ड से यूनिट कटवाने की आवश्यकता नहीं है। राशन कार्ड की यह यूनिट ऑनलाइन उसके ससुराल वाले राशनकार्ड में ट्रांसफर ..

संवाददाता, बुलंदशहर। अब बेटी की शादी होने पर राशन कार्ड से यूनिट कटवाने की आवश्यकता नहीं है। राशन कार्ड की यह यूनिट ऑनलाइन उसके ससुराल वाले राशनकार्ड में ट्रांसफर हो जाएगी। इसके लिए ऑफलाइन आवेदन जिला पूर्ति कार्यालय और तहसील के आपूर्ति कार्यालय में जमा किया जा सकेगा। जिला पूर्ति अधिकारी अभय सिंह ने बताया कि अभी तक शादी के बाद राशन कार्ड से बेटी की यूनिट ट्रांसफर होने का नियम नहीं था। इसलिए स्वजन के कहने या राशन डीलर के कहने पर उसका नाम राशन कार्ड से काट दिया जाता।

ससुराल में उसका नाम जोड़ने के लिए पूरी प्रक्रिया करनी पड़ती, लेकिन शासन ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के तहत आच्छादित युवतियों/बेटियों का विवाह हो जाने की स्थिति नाम कटने की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर लिया है। अब ससुराल के राशनकार्ड में उनका यूनिट स्थानांतरित करने के लिए विभागीय वेबसाइट के पब्लिक डोमेन में ट्रासफर का विकल्प उपलब्ध करा दिया गया है।

जिले के समस्त राशन कार्डधारक अपने परिवार के राशनकार्ड में अंकित बेटी का विवाह होने पर बेटी का नाम/यूनिट ससुराल में बने कार्ड में सम्मिलित करा सकेंगे। ऐसी स्थिति में विभागीय वेबसाइट के पब्लिक डोमेन में यूनिट ट्रांसफर करने के उपलब्ध विकल्प का प्रयोग कर सकते हैं। इससे ऑनलाइन यूनिट ट्रांसफर कराई जा सकती है। इसके साथ ही विवाहिता यूनिट के ट्रांसफर के लिए ऑफलाइन आवेदन पत्र जिला पूर्ति कार्यालय एवं समस्त तहसीलों में स्थित आपूर्ति कार्यालय में भी जमा कर सकते हैं।

मेसी से मिले शाहरुख

फैंस को जिस लम्हे का इंतजार था वो आ गया। बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान ने फुटबॉल आइकॉन लियोनेल मेसी से मुलाकात की है।

एंटरटेनमेंट डेस्क। भारतीय फैंस के लिए उस समय एक यादगार पल बन गया, जब एक्टिंग की दुनिया के 'बादशाह' शाहरुख खान और फुटबॉल की दुनिया के 'किंग' लियोनेल मेसी की मुलाकात हुई। कोलकाता में एक कार्यक्रम के दौरान दोनों दिग्गज एकसाथ नजर आए। इस दौरान दोनों दिग्गजों ने मुस्कुराहट के साथ गर्मजोशी से एक–दूसरे से मुलाकात की। मेस्सी ने साल्ट लेक स्टेडियम से अपनी 70 फुट ऊंची प्रतिमा का वर्चुअल अनावरण भी किया।

मलयालम अभिनेत्री शोषण मामले में अदालत के फैसले पर क्यों उठे सवाल

एंटरटेनमेंट डेस्क। मलयालम इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री के अपहरण एवं यौन उत्पीड़न से जुड़े केस में सजा सुनाए जाने के बाद इंडस्ट्री की ओर से अब तक कई कलाकारों की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कई लोगों ने तो सजा पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े बहुचर्चित अभिनेत्री हमले के मामले में पल्सर सुनी समेत दोषियों को सजा सुनाए जाने के बाद अब सिनेमा जगत के अंदर प्रतिक्रियाओं का दौर तेज हो गया है। इसी कड़ी में कलाकारों के संगठन 'अम्मा' की अध्यक्ष और जानी–मानी अभिनेत्री श्वेता मेनन ने खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने साफ कहा कि 'अम्मा' संगठन इस पूरे मामले में पीड़िता के साथ मजबूती से खड़ा है और न्याय की प्रक्रिया को लेकर संगठन की स्थिति बिल्कुल साफ है।

फैसले के बाद क्या बोलीं श्वेता मेनन?

श्वेता मेनन ने कहा कि अदालत के फैसले का सभी को इंतजार था, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर उन्हें लगता है कि दोषियों को मिली सजा पर्याप्त नहीं है। उनके मुताबिक, इस फैसले के खिलाफ अपील की जानी चाहिए ताकि पीड़िता को पूरा न्याय मिल सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अभिनेता दिलीप को दोबारा 'अम्मा' में शामिल करने को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। श्वेता ने दो टूक कहा कि दिलीप फिलहाल संगठन के सदस्य नहीं हैं और भविष्य में उनकी वापसी को लेकर वह खुद भी कुछ नहीं कह सकतीं।

'अपने फायदे के लिए हम खुद बुलाते हैं'

पैपराजी पर रिएक्शन

एंटरटेनमेंट डेस्क। पैपराजी के साथ जया बच्चन का रिश्ता अच्छा नहीं रहता है। बीते दिनों जया बच्चन ने पैपराजी कल्चर को लेकर काफी नाराजगी जताई थी। साथ ही उन्होंने पैपराजी के कपड़ों और उनके रवैये को लेकर भी कड़ी आलोचना की थी। अब जया बच्चन की आलोचना के बाद अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने पैपराजी कल्चर को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। हुमा ने पैप्स कल्चर की चुनौतियों और महत्व दोनों को ही स्वीकार किया है।

फिल्म के प्रमोशन के लिए हम खुद पैपराजी बुलाते हैं

इंडिया टुडे के साथ बातचीत के दौरान हुमा कुरैशी ने माना कि बेशक पैपराजी को एक सीमा बनानी चाहिए और उसका सम्मान करना चाहिए। लेकिन उन्होंने ये भी स्वीकार किया कि कई सेलेब्स पैपराजी को खुद ही बुलाते हैं और

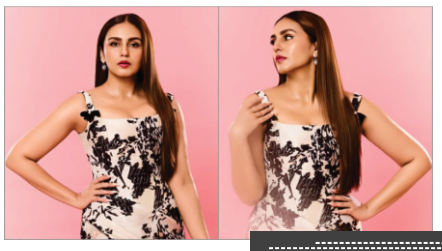

जया बच्चन की कड़ी आलोचना के बाद इंडस्ट्री में पैपराजी कल्चर को लेकर एक बहस चल रही है। अब अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने पैपराजी कल्चर पर प्रतिक्रिया दी है।

अपने फायदे के लिए इनका इस्तेमाल भी करते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे लगता है कि वे भी महत्वपूर्ण हैं। मैं झूठ नहीं बोलूंगी, लेकिन हम उनका इस्तेमाल तब करते हैं जब हमें अपनी फिल्मों का प्रचार करना होता है या अपने जीवन के किसी खास पहलू को लोगों के सामने लाना होता है। कई बार ऐसा हुआ है जब हमें अपनी फिल्मों का प्रचार करना था, इसलिए हमने उन्हें प्रीमियर में बुलाया। जब हम कहीं दिखना चाहते हैं, तो हम उन्हें बुलाते हैं। मैं सारा दोष उन पर नहीं डालना चाहती।

फोटोग्राफर के साथ मजबूत हुआ मेरा रिश्ता

पैप्स के साथ अपने रिश्ते पर हुमा ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में फोटोग्राफरों के साथ मेरा रिश्ता और भी मजबूत हो गया है। जब भी मेरी तबीयत ठीक नहीं होती या मैं फोटो नहीं खिंचवाना चाहतीं, तो मैं बस उनसे प्यार से कहती हूं कि मेरी तस्वीरें न लें, और वे आमतौर पर मेरी इच्छा का सम्मान करते हैं।

बिग बास 19 की पार्टी

तान्या–नीलम में फिर हुई दोस्ती इवेंट के अंदर फरहाना ने किया 'हंगामा'

एंटरटेनमेंट डेस्क। 'बिग बॉस 19' की सक्सेस पार्टी में सलमान खान समेत सीजन के सभी कंटेस्टेंट्स पहुंचे। इस इवेंट में तान्या मित्तल और फरहाना भट्ट भी नजर आईं जो एक दिन पहले हुई गौरव खन्ना की पार्टी में शामिल नहीं हुई थीं। टीवी के सबसे चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' का सफर 7 दिसंबर को अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंचा, जहां गौरव खन्ना ने ट्रॉफी के साथ 50 लाख रुपये की इनामी राशि अपने नाम की। तीन महीनों तक चले उतार–चढ़ाव, रिश्तों, विवादों और इमोशन्स से भरे इस सीजन के खत्म होते ही मुंबई में एक खास सक्सेस पार्टी रखी गई, जिसकी मेजबानी खुद सलमान खान ने की।

कैजुअल लुक में नजर आए सलमान

कैजुअल टी–शर्ट और पैंट में नजर आए सलमान, कंटेस्टेंट्स से खुलकर मिले और उनके साथ हंसी–मजाक करते दिखे। इस पार्टी में विजेता गौरव खन्ना अपनी पत्नी आकांक्षा चमोला के साथ पहुंचे। गौरव ने अपने सफर के दौरान बनाए दोस्तों से भी मुलाकात की, जिनमें मृदुल तिवारी और प्रणित मोरे शामिल थे। वहीं, रनर–अप फरहाना भट्ट, फाइनलिस्ट अमाल मलिक और तान्या मित्तल भी पार्टी में खास अंदाज में नजर आए। खास बात यह रही कि अमाल, तान्या और फरहाना ब्लैक आउटफिट में ट्विनिंग करते दिखे, जिसने कैमरों का खूब ध्यान खींचा। इसके अलावा मालती चहर, नीलम गिरी, अभिषेक बजाज, अशनूर कौर, शहबाज बदेशा, अवेज दरबार और नगमा मिराजकर जैसे कई चर्चित चेहरे भी इस जश्न का हिस्सा बने। सभी ने एक साथ मिलकर काफी मस्ती की।

'धुरंधर'

सारा अर्जुन ने आदित्य धर को बताया असली

एंटरटेनमेंट डेस्क। 'धुरंधर' की रिलीज को आज पूरे सात दिन हो चुके हैं। फिल्म का कलेक्शन आसमान छू रहा है। हर कोई फिल्म की तारीफ कर रहा है। इसी बीच फिल्म की एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने निर्देशक आदित्य धर के लिए दिल छू लेने वाला नोट लिखा है। फिल्म 'धुरंधर' की एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने आज अपनी फिल्म के डायरेक्टर आदित्य धर के लिए सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ ही सारा ने आदित्य को असली 'धुरंधर' बताया है।

सारा का पोस्ट

सारा अर्जुन ने आज इंस्टाग्राम पर आदित्य के साथ अपनी एक फोटो शेयर की और लिखा कि आदित्य ने उनकी पहली बड़ी हिंदी फिल्म में उनका पूरा साथ दिया और उन्हें सबसे अनमोल तोहफा दिया। सारा ने उन्हें 'सोने जैसा दिल और भरोसा करने का हिम्मती इंसान' बताया और कहा कि वे सचमुच 'धुरंधर' हैं। उन्होंने लिखा कि आदित्य बेहद टैलेंटेड हैं, लेकिन घमंड बिल्कुल नहीं करते और बहुत काबिल हैं और दिल के सच्चे और नेक इंसान हैं।

खुद को लकी मानती हैं सारा

सारा ने यह भी बताया कि आदित्य ने उन्हें कभी छोटा महसूस नहीं होने दिया। हमेशा ऐसा लगा जैसे वे पूरी तरह सक्षम हैं। उन्होंने सारा को अपनी महत्वाकांक्षाओं को बड़ा करने और अपनी अंतरात्मा पर भरोसा करने की हिम्मत दी। सारा ने लिखा कि वे खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें इतने अच्छे इंसान का साथ और मार्गदर्शन मिला। यह पहली फिल्म उनके लिए सिर्फ यादगार नहीं, बल्कि जिंदगी बदल देने वाला अनुभव बन गई।

आदित्य धर का जवाब

सारा की पोस्ट पर आदित्य धर ने जवाब देते हुए लिखा, 'वाह सारा, तुम्हारा यह मैसेज पढ़कर मैं बहुत इमोशनल हो गया। मुझ पर आंख बंद करके भरोसा करने और 'धुरंधर' को अपना सबकुछ देने के लिए शुक्रिया। पार्ट–2 में दुनिया तुम्हारी असली प्रतिभा देखेगी, इसका बेसब्री से इंतजार है। तुममें इस इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस में से एक बनने की पूरी काबिलियत है। बस याद रखना– हम यहां आने वाली पीढ़ियों के लिए विरासत छोड़ने आए हैं, इसलिए कभी समझौता मत करना।'

राम सेतु से हुई T20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी टूर की लॉन्चिंग

झारखंड ने जीता पहला 'सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी' ख़िताब

भारत ने जीती सीरीज

भारत ने 30 रन से जीता पांचवां टी20 मैच, दक्षिण अफ्रीका को 3–1 से हराकर नाम की सीरीज

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को पांचवें और आखिरी टी20 मुकाबले में 30 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने 3–1 से पांच मैचों की टी20 सीरीज अपने नाम की। भारत ने पांचवां टी20 मुकाबला 30 रन से जीत लिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को 3–1 से हराकर लगातार सातवीं टी20 सीरीज अपने नाम की। शुक्रवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तिलक वर्मा और हार्दिक पांड्या की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में पांच विकेट पर 231 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 201 रन ही बना सकी और मुकाबला हार गई।

दक्षिण अफ्रीका को आठवां झटका 177 के स्कोर पर बुमराह ने दिया। उन्होंने मार्को यानसेन को अपना शिकार बनाया। वह 14 रन बनाकर पवेलियन लौटे। अब कॉर्बिन बॉश का साथ देने लुंगी एनगिडी आए हैं। 17 ओवर के बाद स्कोर आठ विकेट पर 179 रन है।

टाटा स्टील वर्ल्ड 25के: ओलंपिक पदक विजेता बेनडनरेक भारत की रनिंग संस्कृति से प्रभावित

कोलकाता,एजेंसी। ओलंपिक रजत पदक विजेता और अमेरिका के स्टार स्प्रिंटर केनी बेडनरेक ने टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता के इंटरनेशनल इवेंट एम्बेसडर के रूप में जुड़ने पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि इस तरह की वैश्विक स्तर की दौड़ प्रतियोगिताएं लोगों को फिटनेस को जीवनशैली के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और अगर सही कोचिंग, ट्रेनिंग स्ट्रक्चर और रिकवरी सिस्टम मिले, तो भारतीय खिलाड़ी वैश्विक मंच पर बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहने की अपील की।

एलीट स्तर पर प्रदर्शन को लेकर बात करते हुए बेडनरेक ने मानसिक मजबूती को सबसे अहम बताया। उन्होंने कहा कि शारीरिक तैयारी और प्रतिभा के बावजूद

अगर रेस के दिन मानसिक रूप से मजबूत नहीं हैं, तो कुछ भी मायने नहीं रखता। उनके अनुसार स्प्रिंटिंग लगभग 90 प्रतिशत मानसिक खेल है, जिसमें अनुशासन, जिम्मेदारी, आत्मविश्वास और रिकवरी की अहम भूमिका होती है।

अपने करियर के अनुभव साझा करते हुए बेडनरेक ने निरंतर सीखने और सुधार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वह हर साल खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करते हैं और जीत के बाद भी अपनी टीम के साथ यह सोचते हैं कि आगे क्या सुधार किया जा सकता है। उनके मुताबिक पूर्णता जैसी कोई चीज नहीं होती, केवल निरंतर प्रगति ही मायने रखती है। यह बातें उन्होंने जीडी बिड़ला सेंटर फॉर एजुकेशन के छात्रों से बातचीत के दौरान कहीं।

टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में जीते हैं पदक

केनी बेडनरेक दुनिया के शीर्ष स्प्रिंटर्स में गिने जाते हैं। उन्होंने पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में टोक्यो ओलंपिक 2020 और पेरिस ओलंपिक 2024 में रजत पदक जीता है। इसके अलावा वह विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के भी रजत पदक विजेता हैं। डायमंड लीग में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले बेडनरेक का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 19. 49 सेकेंड है।

भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं

भारतीय एथलेटिक्स को लेकर बेडनरेक ने सकारात्मक रुख जताया। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और अगर सही कोचिंग, ट्रेनिंग स्ट्रक्चर और रिकवरी सिस्टम मिले तो भारतीय खिलाड़ी वैश्विक मंच पर बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं।

उन्होंने युवा खिलाड़ियों से अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध रहने की अपील की। भारत के खेल जगत से लंबे समय तक जुड़ाव को लेकर बेडनरेक ने कहा कि वह इंटरैक्शन, मेंटरशिप और अनुभव साझा करने के जरिए सार्थक योगदान देने के लिए हमेशा तैयार हैं।

उनके मुताबिक खेल में जीवन बदलने की ताकत होती है और अगर उनकी मौजूदगी भारत में इस यात्रा को आगे बढ़ाने में मदद कर सके, तो उन्हें गर्व होगा।

भारत की बढ़ती खेल संस्कृति पर टिप्पणी करते हुए ओलंपिक पदक विजेता ने कहा कि देश में खेलों के प्रति जुनून साफ नजर आता है। चाहे एथलेटिक्स हो, फुटबॉल, क्रिकेट या डिस्टेंस रनिंग, हर जगह प्रतिस्पर्धा और सामुदायिक भावना दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन खेल के जरिए लोगों को एकजुट करने का काम करते हैं।

कोलकाता 25के केवल रन नहीं, उत्सव है

टाटा स्टील वर्ल्ड 25के कोलकाता को लेकर बेडनरेक ने कहा कि यह सिर्फ एक रेस नहीं, बल्कि उत्सव है। उन्होंने कहा कि एक ही सड़क पर एलीट एथलीट्स, शौकिया धावकों और पहली बार दौड़ने वालों को साथ देखना प्रेरणादायक है और वह रविवार को होने वाली रेस को करीब से देखने और धावकों का उत्साह बढ़ाने के लिए उत्सुक हैं।

यूपी पुलिस की टीम ने जीती सीनियर महिला कबड्डी चैंपियनशिप

संवाद न्यूज एजेंसी, शाहजहांपुर। यूपी पुलिस की टीम ने स्व. जीएल मेमोरियल सीनियर महिला कबड्डी चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। खिताबी मुकाबले में यूपी पुलिस की टीम ने मेरठ को 47–33 से हराया। विजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

शाहजहांपुर में स्व. जीएल मेमोरियल सीनियर महिला कबड्डी चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में यूपी पुलिस की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेरठ को 47–33 से हराकर ट्रॉफी को अपने नाम कर लिया। विजेता टीम को नगर आयुक्त डॉ. बिपिन मिश्रा ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

सुबह दस बजे से कबड्डी के सेमीफाइनल मुकाबले शुरू हुए। पहला सेमीफाइनल उत्तर प्रदेश पुलिस व गौतमबुद्ध नगर के मध्य हुआ। इसमें यूपी पुलिस की टीम ने प्रारंभ से मैच पर पकड़ बनाकर रखी

और 34–12 से मुकाबला जीतकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। दूसरा सेमीफाइनल मेरठ व बागपत के बीच खेला गया। दोनों ही टीमों के मध्य कड़ा संघर्ष देखने को मिला। अंत में मेरठ ने 43–41 से बाजी मार ली।

यूपी पुलिस की खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

दोपहर में फाइनल मुकाबला उत्तर प्रदेश पुलिस व मेरठ के बीच खेला गया। इसमें यूपी पुलिस की खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम की खिलाड़ियों ने अनुभव का प्रयोग करते हुए 47–33 से जीत दर्ज कर मेरठ को हराकर फाइनल की ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। मुख्य अतिथि नगर आयुक्त डॉ. बिपिन मिश्रा, विशिष्ट अतिथि युवा नेता राजकमल वाजपेयी, जिला युवा अधिकारी मयंक भदौरिया ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। जिला कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ.संजीव कनौजिया ने बताया कि प्रतियोगिता में पूरे प्रदेश की 13 टीमों ने प्रतिभाग किया। जिला ओलंपिक संघ के सचिव नरेंद्र त्यागी, प्रेमपाल, विश्वनाथ प्रताप सिंह, सचिन प्रेमी, वंदना, महजबी, निशांत चौधरी, राजेश सक्सेना, मुदित सेठ, विपिन अग्निहोत्री, दीपक,अरविंद कुमार आदि मौजूद रहे।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।